राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 15, अंक 08 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, बुधवार 05 नवंबर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

नशे में धुत शख्स ने महिला को चलती ट्रेन से फेंका, रेलवे ट्रैक पर मिली लहूलुहान

तिरुवनंतपुरम। केरल में एक चलती ट्रेन से 19 वर्षीय युवती को धक्का देकर बाहर फेंक दिया गया। घटना के बाद युवती गंभीर रूप से घायल हो गई और उसे तिरुवनंतपुरम मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी ने युवती की सहेली पर भी हमला किया, लेकिन वह दरवाजा पकड़कर बच गई। पुलिस ने नशे की हालत में धुत आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना रात की है, जब अलुवा से तिरुवनंतपुरम जा रही केरल एक्सप्रेस ट्रेन वर्कला और कडक्कवूर स्टेशन के बीच अयंती पुल के पास पहुंची। पलोडे निवासी 19 वर्षीय युवती शौचालय से बाहर निकल रही थीं, तभी पनाचमूडु निवासी सुरेश कुमार (48) ने उन्हें अचानक धक्का दे दिया।

वैशाली में कार-ट्रक की टक्कर में तीन लोगों की मौत

पटना। बिहार के वैशाली जिले में सुबह एक सड़क दुर्घटना में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह भीषण दुर्घटना जिले के औद्योगिक थाना क्षेत्र के नैपर गांव के पास सुबह करीब 4 बजे हुई। औद्योगिक थाने के प्रभारी के अनुसार, पूर्णिया से हाजीपुर जा रही एक तेज रफ्तार लग्जरी कार सड़क पर खड़े एक 16 पहियों वाले ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार चकनाचूर हो गई। सभी मृतक और घायल बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान काम कर रही एक एग्जिट पोल टीम से जुड़े थे। टक्कर की आवाज सुनते ही स्थानीय निवासी मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। औद्योगिक थाने के कर्मियों ने वाहन के अंदर फंसे शवों को निकालने के लिए क्रेन का इस्तेमाल किया।

दिल्ली-एनसीआर में फिर बढ़ा प्रदूषण, दम घोंटू हवा से हालात गंभीर, विजिबिलिटी हुई कम

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली के 39 निगरानी स्टेशनों में से केवल 7 ही ऐसे हैं जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 'खतरे के निशान' से नीचे है, जबकि बाकी सभी स्थानों पर हवा बेहद खराब से गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई है। दिल्ली के प्रमुख इलाकों में वायु गुणवत्ता बेहद चिंताजनक बनी हुई है। आर.के.पुरम (335), रोहिणी (352), सोनिया विहार (350), वजीरपुर (377) और विवेक विहार (373) जैसे क्षेत्रों में एक्यूआई 300 से ऊपर दर्ज किया गया है।

बिलासपुर में लालखदान के पास बड़ा रेल हादसा

मालगाड़ी के ऊपर चढ़ी पैसेंजर ट्रेन, छह लोगों की मौत, कई घायल

बिलासपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में लालखदान के पास बड़ा रेल हादसा हुआ है। हावड़ा रूट पर चल रही पैसेंजर ट्रेन और मालगाड़ी के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफ़रा-तफ़री मच गई। ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतरने के कारण यात्रियों में दहशत फैल गई। मिली जानकारी के मुताबिक कई लोगों के मरने की खबर है। रेलवे प्रशासन ने तुरंत रेस्क्यू टीम और मेडिकल यूनिट को मौके पर भेजा है। स्थानीय प्रशासन भी सहायता के लिए पहुंचा। हादसे के कारण पूरे रूट पर ट्रेन परिचालन पूरी तरह ठप हो गया। कई ट्रेनों को रद्द या रूट डायवर्ट कर दिया गया। हादसे में प्रभावित लोगों के लिए मुआवजे का ऐलान कर दिया गया है। जिसमें मृतकों के परिजनों को 10 लाख, गंभीर रूप से घायल यात्रियों को पांच लाख और सामान्य रूप से घायल यात्रियों को एक लाख की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। कोरबा पैसेंजर और मालगाड़ी में टक्कर हुई है। इस हादसे में 6 लोगों की मौत होने की खबर सामने आ रही है। वहीं 12 से ज्यादा यात्रियों के घायल होने की भी खबर है। मृतकों की संख्या बढ़ भी सकती है। फ़िलहाल, रेस्क्यू जारी है। मौके पर रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद हैं। हादसे की सूचना मिलते ही घटना स्थल पर लोगों की भारी भीड़ जुटी हुई है। रेलवे प्रशासन ने मेडिकल यूनिट और रेस्क्यू टीम को मौके पर भेजा है। वहीं स्थानीय प्रशासन भी मदद में जुटा हुआ है। इस हादसे की वजह से कई ट्रेनों का परिचालन ठप हो गया है। कई ट्रेन दूसरे रूट से अपने गंतव्य के लिए जा रहे हैं। हादसे का कारण अज्ञात है। रेलवे की टीम मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल कर रही है। यह हादसा बिलासपुर कटनी रेल मार्ग पर हुआ है, जो की सबसे व्यस्ततम मार्ग है जांच पड़ताल के बाद ही स्पष्ट होगा कि इस हादसे की असली वजह क्या है। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है , जहां पर उनका इलाज चल रहा है। मालगाड़ी और पैसेंजर ट्रेन में टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पैसेंजर ट्रेन मालगाड़ी के ऊपर चढ़ गई ।

मौके पर यात्रियों की चीख पुकार मची हुई थी। सूचना पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे । रेलवे और जिला प्रशासन को मामले की सूचना दी गई, इसके बाद बचाव और राहत कार्य जारी है। यात्री एवं उनके परिजन इन नंबरों पर संपर्क कर आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं । रेल प्रशासन स्थिति पर निरंतर नजर रखे हुए है और समुचित राहत, बचाव एवं सहायता सुनिश्चित कर रहा है। ट्रेन हादसे पर दुख जताते हुए सीएम साय ने कहा कि बिलासपुर के पास ट्रेन दुर्घटना का समाचार अत्यंत दु:खद है। बिलासपुर जिला कलेक्टर से जानकारी लेकर उन्हें हरसंभव सहायता और राहत कार्य संबंधित निर्देश दिए गए हैं। राज्य सरकार इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ है। रेलवे और प्रशासन की टीमें तुरंत राहत एवं बचाव कार्य में जुट गई हैं। घायलों के उपचार के लिए सभी आवश्यक संसाधन और चिकित्सा सहायता सुनिश्चित की जा रही है। राज्य सरकार पूरी तत्परता और संवेदनशीलता के साथ स्थिति पर नजर रख रही है। बिलासपुर के पास ट्रेन दुर्घटना का समाचार अत्यंत दु:खद है। बिलासपुर जिला कलेक्टर से जानकारी लेकर उन्हें हरसंभव सहायता और राहत कार्य संबंधित निर्देश दिए गए हैं।

रेस्क्यू अभियान जारी, रेलवे और स्थानीय प्रशासन मौके पर तैनात

सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए रेस्क्यू टीम, मेडिकल यूनिट और राहत दल को घटनास्थल पर रवाना किया। स्थानीय प्रशासन, पुलिस और फ़ायर ब्रिगेड की टीमें भी राहत-बचाव कार्य में लगी हुई हैं। भारी संख्या में स्थानीय लोग भी मदद के लिए वहां पहुंच गए हैं, जिससे घटनास्थल पर बड़ी भीड़ इकट्ठा हो गई। घायलों को स्ट्रेचर और एंबुलेंस की मदद से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। हादसे के कारण बिलासपुर-कटनी रेलमार्ग, जो देश के सबसे व्यस्ततम रेल मार्गों में गिना जाता है, पूरी तरह बाधित हो गया है। पूरे रूट पर ट्रेन संचालन रोक दिया गया है। कई ट्रेनों को रद्द किया गया है, जबकि कुछ को वैकल्पिक मार्गों से उनके गंतव्य की ओर भेजा जा रहा है। यात्रियों को असुविधा से बचाने के लिए रेलवे की ओर से बसों और अन्य साधनों की व्यवस्था की जा रही है।

रेलवे के बाद छत्तीसगढ़ सरकार ने भी की आर्थिक मदद की घोषणा: मृतकों के परिजन को 5 लाख,घायलों को मिलेंगे 50 हजार

रेलवे प्रशासन के बाद छत्तीसगढ़ सरकार ने भी आर्थिक मदद की घोषणा की है। राज्य सरकार ने दुर्घटना में दिवंगत हुए यात्रियों के परिजनों को पांच लाख और घायलों को 50 हजार की आर्थिक सहायता राशि देने का निर्णय लिया है। प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि घायलों के समुचित एवं नि:शुल्क इलाज की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। जिला प्रशासन को तत्काल प्रभाव से राहत एवं बचाव कार्यों को तेज़ी से संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला प्रशासन एवं रेलवे की टीमें राहत और बचाव कार्य में पूरी तत्परता से जुटी हुई हैं। घायलों के उपचार के लिए सभी आवश्यक चिकित्सा सुविधाएँ और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता और सतर्कता के साथ स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है तथा हर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। बिलासपुर के पास हुई ट्रेन दुर्घटना अत्यंत दु:खद और पीड़ादायक है। इस त्रासदी में जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मैं गहरी संवेदना प्रकट करता हूँ।

नवा रायपुर में एयर शो आज

9 फाइटर प्लेन के साथ उड़ेंगे जांबाज, इनमें महासमुंद का गौरव भी

रायपुर। संवाददाता

नवा रायपुर के सेंध लेक के ऊपर एयरफ़ोर्स के फ़ाइटर प्लेन बुधवार को एयर शो का शानदार प्रदर्शन करेंगे। इसके लिए लाल-सफेद रंगों वाले 9 फ़ाइटर प्लेन और उनके पायलट शहर आ चुके हैं। मंगलवार को उनका फुल ड्रेस रिहर्सल होगा और बुधवार को सुबह 10 से 12 बजे के बीच इसका आयोजन किया जाएगा। वायुसेना के प्लेन पांच मीटर के अंतर से उड़ान भरते हुए आसमान में तिरंगा तैयार करेंगे। इसके अलावा बॉम्ब बर्स्ट, हार्ट इन द स्काई और एरोहेड जैसे शानदार प्रदर्शन कर देशभक्ति की भावना जागृत करने का प्रयास करेंगे। न्यू सर्किट हाउस में सोमवार को आयोजित पत्रवार्ता में कड़ी मशक्कत के बाद इन फ़ाइटर प्लेन को उड़ाने में महारत हासिल करने वाले ग्रुप कैप्टन अजय दशराठी, स्क्वॉडन लीडर जसदीप सिंह, राहुल सिंह, गौरव पटेल, संजेश सिंह एवं फ्लाइट लियुटेंट कंवल संधु ने बताया कि सूर्य किरण एयरोबेटिक टीम पिछले 15 सालों से इस तरह के एयर शो कर रही है। देश के अलावा उन्होंने विदेशों में जाकर भी अपना शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को शो के निर्धारित समय यानी 10 से 12 बजे के बीच अंतिम पूर्वाभ्यास किया जाएगा। इसके बाद बुधवार को एयर शो का आयोजन होगा। एयरफ़ोर्स से जुड़े इन पायलटों ने बताया कि, कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं के मन में देशभक्ति का जज्बा पैदा करना और एयरफ़ोर्स की तरफ आकर्षित करना होता है। इस एयर शो में फ़ाइटर फ्लेन में 100 से 10 हजार फीट की ऊंचाई के बीच अपना करतब दिखाएंगे। पांच मीटर के फ़ासले में उड़ने वाले विमान आसमान में तिरंगा तैयार करेंगे और अन्य तरह के शानदार शो का आयोजन करेंगे। टीम के सदस्य इस जोखिम भरे करतब के लिए 6 महीने की कड़ी ट्रेनिंग कर करते हैं और 6 माह शो में शामिल होते हैं। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट के रनवे में कड़ी सुरक्षा में फ़ाइटर प्लेन रखे गए हैं। सोमवार को इनमें से तीन ने विमानों को एयरपोर्ट के आसपास आकाश में दोपहर अपना पूर्वाभ्यास किया। सूत्रों का कहना है कि एयर शो के दौरान करीब दो से ढाई घंटे क्षेत्र को नो फ्लाइंग जोन घोषित किया जाएगा। इस दौरान रायपुर एयरपोर्ट में आने वाले कुछ विमानों की आवाजाही में बदलाव किया जाएगा।

संकलनकर्ता:- सैय्यदा मुनीजा हुसैनी, धमतरी

संक्षिप्त समाचार

डीजल चोरी होने पर कंटेनर चालक ने किया रोड़ जाम, केस दर्ज

पटेवा (समय दर्शन)। पटेवा थाना क्षेत्र के ग्राम ढांक टोल प्लाजा के पास करीब 3 किलोमीटर तक लगे जाम से परेशान युवक ने थाने में शिकायत दर्ज करायी है। मिली जानकारी के अनुसार, एक कंटेनर चालक ने डीजल चोरी होने पर रोड़ को जाम कर दिया था। ढांक टोल प्लाजा स्थित नायक टी स्टाल के संचालक जितेन्द्र कुमार नायक ने पुलिस को बताया कि 3 नवम्बर को सुबह करीबन 8 बजे वह मोटर सायकल से अपने टी स्टाल जाने के लिए घर से निकला था। ह॥ 53 रोड़ में टोल प्लाजा ढांक से करीबन 3 किलोमीटर तक वाहनों का जाम लगा हुआ था। काफी मसक्कत के बाद करीबन 2 घण्टे बाद जितेन्द्र जब अपने टी स्टाल पहुंचा तो देखा कि उसके दुकान से थोड़ी दूर में ह॥ 53 के बीचो-बीच ट्रक कंटेनर क्रमांक ड्ढक्क29 श्व 0541 के चालक ने अपने कंटेनर को खड़ी कर दिया था और चिल्ला रहा था कि रात में मेरे कंटेनर से डीजल चोरी हुआ है इसलिए मैं ह॥ 53 मार्ग को जाम किया हूं। NH 53 रोड लगातार 2 घण्टा तक जाम होने से जितेन्द्र एवं रोड में चलने वाले राहगीरों को परेशानी हुई है। मामले की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी कंटेनर चालक के खिलाफ धारा 8क्क-ह॥, 285-क्चहस् के तहत अपराध कायम किया है।

सिरको में आंवला नवमी के अवसर पर पूजन अनुष्ठान

सामाजिक सौहार्द और पारिवारिक एकता के साथ मनाया गया प्रकृति के प्रति आभार का पर्व

बसना(समय दर्शन)। बसना क्षेत्र के ग्राम सिरको में आंवला नवमी का पर्व बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। यह पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने और आंवले के वृक्ष की पवित्रता का सम्मान करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। पूजन कार्यक्रम में पुजारी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर महिलाओं ने सपरिवार आंवले के वृक्ष के नीचे भोग चढ़ाया और भगवान विष्णु की पूजा कर परिवार के सुख-समृद्धि की कामना की। ग्रामीणों ने सामाजिक सौहार्द के वातावरण में एक साथ त्यौहार मनाया। बच्चों से लेकर वयस्कों तक सभी ने पूजा में भाग लिया और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ आंवला नवमी का पर्व सम्पन्न हुआ। यह पर्व न केवल धार्मिक आस्था से जुड़ा है बल्कि यह प्रकृति संरक्षण और परिवारिक एकता का संदेश भी देता है।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अक्टूबर 2025 में 6.50 लाख यूनिट की बिक्री के साथ मजबूत ग्रोथ दर्ज की है

नईदिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (HMSI) ने अक्टूबर 2025 में कुल 6,50,596 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की है। इसमें 5,98,952 यूनिट्स की घरेलू बिक्री और 51,644 यूनिट्स का निर्यात शामिल है। एचएमएसआई ने अक्टूबर 2024 की तुलना में कुल बिक्री में 9% की साल-दर-साल (YOY) वृद्धि और सितंबर 2025 की तुलना में 15त्न की माह-दर-माह (MOM) वृद्धि दर्ज की है। वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैलङ्कअक्टूबर 2025) की अवधि के दौरान, एचएमएसआई ने कुल 36,41,612 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जिसमें 32,78,451 यूनिट्स की घरेलू बिक्री और 3,63,161 यूनिट्स का निर्यात शामिल है।

अक्टूबर 2025 में एचएमएसआई की अहम उपलब्धियां: रोड सेफ्टी: एचएमएसआई ने सड़क सुरक्षा के प्रति अपने संकल्प को आगे बढ़ाते हुए देशभर के विभिन्न शहरों सिवान, मथुरा, झुंझुनू, अहमदाबाद, नवी मुंबई, कोलकाता, जालना, लखनऊ, कन्नूर और हुब्बली में जागरूकता अभियान आयोजित किए। इन अभियानों के माध्यम से इंटरएक्टिव लर्निंग के जरिए लोगों को जिम्मेदार सड़क व्यवहार अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। एचएमएसआई ने हरियाणा के करनाल स्थित अपने ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्क की 8वीं वर्षगांठ और कर्नाटक के बेंगलुरु स्थित सेफ्टी ड्राइविंग एजुकेशन सेंटर (SDEC) की 5वीं वर्षगांठ मनाई। इन पहलों के माध्यम से कंपनी भारत में सुरक्षित सड़क व्यवहार को बढ़ावा देने की अपनी यात्रा को निरंतर आगे बढ़ा रही है।

ललितपुर विद्यालय में नेवता भोज का आयोजन

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला ललितपुर, संकुल केंद्र जमदरहा में संकुल समन्वयक डिजेंद्र कुर्रे के मार्गदर्शन,प्रधान पाठक गफ्फार खान के नेतृत्व मे शासकीय प्राथमिक शाला ललितपुर में शासकीय प्राथमिक शाला पढ़कीपाली के प्रधान पाठक विरेन्द्र भोई द्वारा स्वेच्छा से प्रधान मंत्री पोषण योजना अंतर्गत आंशिक रूप से नेवता भोज का आयोजन कराया गया। नेवता भोज में केला, मिक्चर,चाकलेट ,अमरूद, बिस्किट , जलेबी, वितरित किया गया । नेवता भोज का आनंद सभी बच्चों ने लिया। नेवता भोज देने के लिए प्रधान पाठक गफ्फार खान ने विरेंद्र भोई (प्रधान

पाठक पढ़कीपाली) को धन्यवाद दिया है।इस नेवता भोज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान पाठक गफ्फार खान ने कहा कि नेवता भोज से बच्चों को पौष्टिक आहार मिलता है और समुदाय व विद्यालय के बीच अपनेपन की भावना प्रगाढ़ होती है।

शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष नेहरूलाल ने कहा कि नेवता भोज कार्यक्रम हमारे बच्चों को विद्यालय की ओर खीच रहा है।

ग्राम पंचायत बनडबरी के सरपंच नोनी बाई ने कहा कि जुलाई माह से लगातार विद्यालय में नेवता भोज का आयोजन हो रहा है ये प्रधान पाठक की योजना का परिणाम है।आज के कार्यक्रम में शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष नेहरू लाल, उपाध्यक्ष खेमकुमारी , रामेश्वरी कायतराम ,रत्थूराम ,घुरऊराम, रतन ,प्रेमलाल,बुधियारीन,भगवती, सहायक शिक्षक प्रहलाद साहू,आंगनबाड़ी सहायिका गायत्री आदि उपस्थित थे।

नेवता भोज के इस आयोजन पर बसना विकासखंड शिक्षा अधिकारी बद्रीविशाल जोल्हे,विकास खण्ड स्त्रोत समन्वयक अनिल सिंह साव , सहायक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी लोकेश्वर सिंह कंवर, जमदरहा नोडल प्राचार्य उत्तर कुमार चौधरी, जमदरहा संकुल समन्वयक डिजेंद्र कुर्रे , जमदरहा संकुल के शिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

ISSO का वार्षिक अधिवेशन एवं सुकन्या विवाह समारोह सम्पन्न

सप्तशील सेवाश्रम, ग्राम खण्डवा,सेक्टर-39 नया रायपुर में हुआ आयोजन

रायपुर (समय दर्शन)। राष्ट्रीय स्तर की पब्लिक ट्रस्ट इंडियन सतनामी समाज आर्गेनाइजेशन(ड्डस्स्ह्र) के चौथे स्थापना दिवस के अवसर पर वार्षिक अधिवेशन एवं सुकन्या विवाह समारोह का आयोजन रखा गया।

यह कार्यक्रम नवनिर्मित सप्तशील सेवाश्रम ग्राम खण्डवा नया रायपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुरुआत बाबा गुरूघासीदास जी की विधिवत पूजा-अर्चना से किया गया ।

तत्पश्चात सप्तशील सेवाश्रम का उद्घाटन पब्लिक ट्रस्ट के संस्थापक व अध्यक्ष शिक्षाविद् डॉ राजाराम बनर्जी, संरक्षक व जिला पंचायत अध्यक्ष जांजगीर-चांपा इंजी. सत्यलता आनंद मिरी एवं समस्त प्रकोष्ठों के उपस्थित पदाधिकारियों ने सफेद फीता काट कर किया।

आर्गनाईजेशन मे नये सदस्यता लेने वाले अनेक सामाजिक बंधुओं को फूला माला गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया। तत्पश्चात सुकन्या विवाह आयोजित किया गया। जिसमें वर-वधु का बड़े धूम-धाम से ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने गाजे बाजे के साथ थिरकते हुए भांवर रस्म कर वर-वधु एक दूसरे को वरमाला पहना कर विवाह बंधन में बँधे।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ प्रदेश के अलावा उड़ीसा और झारखंड के प्रदेशाध्यक्ष और उनके टीम, समाज के अधिकारी,कर्मचारी, प्रबुद्ध जन,पत्रकार साथी,युवा,माताएं - बहने एवं पब्लिक ट्रस्ट ड्डस्स्ह्र के सभी प्रकोष्ठों के समस्त पदाधिकारी व सदस्य लगभग छत्तीसगढ़ के18 जिले के लोग शामिल हुए।

बसना में आयोजित सांसद खेल महोत्सव-2025 के भव्य शुभारंभ समारोह में सम्मिलित हुई सांसद रूपकुमारी चौधरी

बसना (समय दर्शन)। बसना मे विकासखण्ड स्तरीय सांसद खेल महोत्सव का भव्य आगाज क्षेत्रीय सांसद श्रीमती रूपकुमारी ओमप्रकाश चौधरी की गरिमामयी आतिथ्य में स्कूली छात्रों के रंगारंग प्रस्तुति के साथ शुभारंभ हुआ ।

इस दौरान उन्होंने कहा कि, यह महोत्सव केवल खेलों का उत्सव नहीं, बल्कि युवा शक्ति, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और संगठनात्मक एकता का सशक्त प्रतीक है। मैदान में उमड़े जोश, उत्साह और ऊर्जा को देखकर मन गर्व से भर उठता है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बसना विधानसभा के संयोजक एवं बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ प्रकल्प के प्रदेश सदस्य डॉ एन के अग्रवाल ने कहा कि,यह आयोजन निश्चित ही युवाओं में नई ऊर्जा, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा

जगाने वाला है। सभी प्रतिभागियों को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर बसना नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ खुशबूअग्रवाल, उपाध्यक्ष शीत गुप्ता, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि मिलाप निराला, जनपद उपाध्यक्ष मोहित पटेल, पार्षद मुजम्मिल कादरी, पिन्टू अरोरा,संगीता नायक,अनिल अग्रवाल, नरेन्द्र यादव,मुरारी अग्रवाल, सीएमओ सूरज सिदार ,बीईओ बद्री विशाल जोल्हे, बीआरसीसी अनिल सिंह साव, प्राचार्य क्षीरोद्र पुरोहित, एस के पटेल,गजानंद भोई, अमृत चौधरी, दीपक शर्मा, सरोज पटेल,बसना जनपद क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, पत्रकार एवं विभिन्न विद्यालयों से आये प्रतिभागी उपस्थित थे।

स्विगी, हल्दीराम और रॉबिन हुड आर्मी ने मिलकर ज़रूरतमंद लोगों तक

इंदौर/रायपुर: समाज कल्याण और भूख से जूझ रहे लोगों को मदद देने के लिए स्विगी, हल्दीराम और रॉबिन हुड आर्मी (आरएचए) ने संयुक्त प्रयास शुरू किए हैं। तीनों की साझेदारी में इस साल त्योहारों के दौरान नागपुर, इंदौर और रायपुर में वंचित समुदायों को 2 लाख पेय पदार्थों के पैकेट वितरित किए।

इन इलाकों में हल्दीराम के पेय पदार्थ, मटका झटका छाछ और मैंगो लस्सी बांटी गई। इससे भोजन के माध्यम से सामाजिक प्रभाव बढ़ाने के लिए दोनों ब्रांडों की साझा प्रतिबद्धता को बल मिला। यह सहयोग इस सामूहिक उद्देश्य के साथ काम करता है कि जो उत्पाद पौष्टिक और व्यापक रूप से पसंद भी किए जाते हैं, वे ज़रूरतमंद लोगों तक पहुँचाए जाएं। यह अभियान जनवरी 2025 में लॉन्च किए गए स्विगी सर्व्स का एक हिस्सा था। स्विगी सर्व्स स्विगी की प्रमुख सामुदायिक प्रभाव पहल है, जिसका मकसद भोजन की बर्बादी को कम करना और वंचित क्षेत्रों में भूखमरी को दूर करना है। रॉबिन हुड आर्मी जैसे संगठनों के साथ साझेदारी करके, यह कार्यक्रम स्विगी के रेस्टोरेंट भागीदारों से अतिरिक्त भोजन को ज़रूरतमंदों तक पहुँचाने का काम करतआ है। अपनी शुरुआत से ही, इस पहल ने 170 शहरों में 20,000 से ज़्यादा भोजन वितरित किए हैं, जिसमें लगभग 500 रेस्टोरेंटों भागीदार के तौर पर शामिल हैं। हल्दीराम के लिए, यह पहल उसके लंबे समय से चले आ रहे इस विश्वास को दर्शाती है कि भोजन न केवल पोषण है, बल्कि समुदायों को जोड़ने और उनके उत्थान का एक माध्यम भी है। ब्रांड अपनी समृद्ध विरासत और प्रामाणिक स्वाद के लिए जाना जाता है। ऐसी सार्थक साझेदारियों के माध्यम से यह साझा करने और अपनेपन के मूल्यों को कायम रखता है। रॉबिन हुड आर्मी स्वयंसेवकों द्वारा संचालित ज़ीरो फंड संगठन है और इस पहल को संभव बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आरएचए की उपस्थिति 13 देशों में है। इसका 2,60,000 से ज़्यादा स्वयंसेवकों का नेटवर्क है, जिनकी बदौलत आरएचए ने पिछले एक दशक में दुनिया भर में 153 मिलियन से ज़्यादा लोगों को भोजन परोसा है। अपने समुदाय-आधारित दृष्टिकोण के ज़रिए, यह संगठन भूख और भोजन की बर्बादी को खत्म करने के लिए नागरिकों और साझेदारों को लगातार प्रेरित करता रहता है।

इस सहयोग पर बोलते हुए, स्विगी फूड मार्केटप्लेस के चीफ बिज़नेस ऑफिसर श्री सिद्धार्थ भाकू ने कहा, ×ह्लह्वश्ह्ल;स्विगी सर्व्स की परिकल्पना एक मंच के रूप में की गई थी। ऐसा मंच जो स्थायी, दीर्घकालिक सामुदायिक प्रभाव पैदा करने के हमारे मिशन के समान विचार रखने वाले साझेदारों को साथ जोड़ता है।

सैमसंग इंडिया ने सैमसंग वालेट में महत्वपूर्ण फीचर्स पेश किये डिजिटल पेमेंट और यूपीआई ऑनबोर्डिंग का बदला अंदाज

गुरुग्राम। सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने आज सैमसंग वॉलेट के लिए कुछ बड़े और शानदार बदलावों का ऐलान किया है। सैमसंग वॉलेट गैलेक्सी फ़ोन इस्तेमाल करने वालों के लिए एक ऐसा सुरक्षित ऐप है जहाँ वे डिजिटल कीज़, भुगतान विधियों, आइडी कार्ड सहित अपनी कई डिजिटल चीज़ों को एक ही जगह पर रख सकते हैं। ये महत्वपूर्ण फीचर्स लाखों गैलेक्सी उपयोगकर्ताओं के लिए नए उपकरण सेटअप करने, भुगतान प्रबंधित करने और डिजिटल लेनदेन करने के तरीके को बदलने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। नए उपकरण सेटअप के तहत सहज यूपीआई ऑनबोर्डिंग, पिन-फ्री बायोमेट्रिक ऑथिंटिकेशन, और उन्नत टैप एंड पे सपोर्ट ङ्क जिसमें फॉरेक्स कार्ड और ऑनलाइन कार्ड भुगतान शामिल हैं, इन सभी बदलावों के साथ, सैमसंग वॉलेट तेज़ी से इस दिशा में बढ़ रहा है कि वह आपके डिजिटल जीवन का सबसे सुरक्षित और ज़रूरी गेटवे बन जाए। मधुर चतुर्वेदी, सीनियर डायरेक्टर, सर्विसेज एंड ऐप्स बिजनेस, सैमसंग इंडिया ने कहा हम सैमसंग वॉलेट में इन महत्वपूर्ण नवाचारों को पेश करने के लिए उत्साहित हैं। नए अपडेट्स के साथ, सैमसंग वॉलेट अब केवल एक डिजिटल वॉलेट नहीं है, यह डिजिटल भुगतान, यात्रा आवश्यकताओं, पहचान पत्रों और डिजिटल कीज़ के लिए सार्वभौमिक और सुरक्षित गेटवे बन गया है। नए गैलेक्सी उपकरण सेटअप करने से लेकर भुगतान, लेनदेन और यात्रा करने के तरीके तक, हम बाधाओं को हटा रहे हैं और सुविधा को फिर से परिभाषित कर रहे हैं। नए डिवाइस सेटअप के साथ बिल्ट-इन यूपीआई ऑनबोर्डिंग ङ्क तेजी से अपनाने को बढ़ावा देना सैमसंग पहला मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) है जो गैलेक्सी स्मार्टफोन्स पर नए-उपकरण सेटअप अनुभव के हिस्से तहत सैमसंग वॉलेट के माध्यम से यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) खातों का ऑनबोर्डिंग सक्षम करने वाला है।

केबिनेट मंत्री दयालदास बघेल हुए श्री गणेश महायज्ञ में शामिल

महासमुंद जिला प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल और बसना विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने किया श्रीराम कथा का श्रवण, प्रदेश में सुख-समृद्धि की कामना

पिथौरा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के बसना विधानसभा क्षेत्र के पिथौरा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम सपोस के अंशुला में इन दिनों श्री श्री 108 एकादश कुंडीय श्रीमन महा गणेश महायज्ञ का भव्य और विराट आयोजन चल रहा है, जिसने पूरे क्षेत्र में एक धार्मिक उत्साह का माहौल बना दिया है। इस विशाल आयोजन की समस्त व्यवस्थाएं बसना के विधायक डॉ. संपत अग्रवाल द्वारा सुनिश्चित की गई हैं, ताकि यहां आने वाले लाखों श्रद्धालुओं और साधु-संतों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

बसना विधानसभा क्षेत्र के लिए यह एक शुभ संयोग है कि पूज्य संत सियाराम दास महाराज जी ने अंशुला को अपने चातुर्मास प्रवास के लिए चुना है। यह जानकारी देते हुए विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने बताया कि इस सौभाग्य के पीछे बेमेतरा में हुए एक यज्ञ का प्रसंग है। विधायक डॉ अग्रवाल ने बताया कि जब वे बेमेतरा के पास आयोजित सियाराम दास महाराज जी के यज्ञ में सम्मिलित हुए थे, तभी उनकी मुलाकात कैबिनेट मंत्री दयाल दास बघेल जी से हुई। मंत्री जी ने डॉ. अग्रवाल को

सलाह दी कि वे महाराज जी से निवेदन करें, क्योंकि वे एक पहुंचे हुए संत हैं।

इस प्रेरणा से प्रेरित होकर, डॉ. अग्रवाल ने उसी समय गुरु जी से प्रार्थना की और उन्हें बसना विधानसभा क्षेत्र में आने का आग्रह किया। विधायक ने आगे कहा कि यह उनका अत्यंत सौभाग्य है कि उनकी प्रार्थना स्वीकार हुई और गुरु जी ने चातुर्मास के लिए अंशुला को चुना, जिससे उन्हें महाराज श्री की सेवा का अमूल्य मौका प्राप्त हुआ है।

'कुंभ' जैसा माहौल, प्रतिदिन हजारों भक्तों का आगमन- विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने मीडिया से चर्चा करते हुए इस आयोजन की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बसना विधानसभा क्षेत्र में इतना विशाल धार्मिक आयोजन होना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। यहां हजारों की संख्या में साधु-संत पधार रहे हैं, जिससे एक प्रकार से 'कुंभ' जैसा आध्यात्मिक माहौल निर्मित हो गया है।

उन्होंने बताया कि महायज्ञ में प्रतिदिन हजारों की संख्या में भक्तगण दर्शन और पुण्य लाभ लेने आ रहे हैं, जिनके लिए भंडारे की व्यापक व्यवस्था की गई है। विधायक अग्रवाल ने जोर देकर कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि किसी भी भक्तगण को कोई परेशानी न हो और कोई भी यहाँ से भूखा न जाए।

विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने कहा कि 5 नवंबर को महायज्ञ का समापन है उस दिन 5 से 6 हज़ार साधु संत पधार रहे है ।जिसके लिए पूरी व्यवस्था की गई है ।

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने आगे जानकारी दी कि रात्रि में दक्षिण कौशल पीठ के परम पूज्य श्री 1008 श्री राजीव लोचन दास जी महाराज के श्रीमुख से श्रीराम कथा का दिव्य पठन किया गया।

इस दौरान, छत्तीसगढ़ के कैबिनेट मंत्री एवं महासमुंद जिला प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल और बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने स्वयं कथा का श्रवण कर पूज्य महाराज जी से आशीर्वाद प्राप्त किया।

चातुर्मास प्रवास पर आए पूज्य संत सियाराम दास महाराज जी ने इस भव्य धार्मिक आयोजन की भूरी-भूरी सराहना की। उन्होंने इस अवसर पर प्रदेश वासियों को हृदय से आशीर्वाद प्रदान किया। महाराज श्री ने समाज के लिए एक स्पष्ट दिशा निर्धारित करते हुए कहा कि सभी जन शिक्षा के मार्ग पर अग्रसर हों, व्यापार में वृद्धि करें, और सबसे महत्वपूर्ण, नशा मुक्त रहें। उन्होंने दृढ़तापूर्वक यह बात रखी कि इन तीन स्तंभों पर कार्य करके ही व्यक्ति और समाज आगे बढ़ सकते हैं और तरक्की कर सकते हैं। यह आह्वान महाराज श्री की ओर से प्रदेश के उज्जवल भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश माना जा रहा है।

कैबिनेट मंत्री दयालदास बघेल ने भी मीडिया से बातचीत करते हुए इस आयोजन की सराहना की। उन्होंने सर्वप्रथम महाराज सियाराम दास जी को प्रणाम किया, जो अंशुला ग्राम में यह भव्य यज्ञ संपन्न करा रहे हैं। मंत्री बघेल ने कहा कि हम सभी के लिए यह सौभाग्य का विषय है कि महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है और हजारों साधु-संतों के दर्शन का लाभ मिल रहा है।

मंत्री बघेल ने विधायक डॉ. संपत अग्रवाल को विशेष धन्यवाद दिया, जिन्होंने इतना बड़ा और भव्य आयोजन करवाया। उन्होंने कहा कि इससे भक्तगणों को साधु-संतों का आशीर्वाद और दर्शन लाभ मिल रहा है। मंत्री बघेल ने महाराज सियाराम दास जी से प्रार्थना की कि वे सभी को आशीर्वाद दें और सभी की मनोकामनाएं पूरी करें, साथ ही पूरे प्रदेश में सुख-समृद्धि बनी रहे।

वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध - छत्तीसगढ़ का आदर्श मॉडल

डॉ. दानेश्वरी संभाकर, उप संचालक
जनसंपर्क विभाग

भारतीय संस्कृति के केंद्र में हमारे बुजुर्ग हैं - जिनके अनुभव समाज को दिशा देते हैं और जिनकी स्मृतियाँ हमारी सभ्यता की नींव हैं, लेकिन बदलते सामाजिक परिदृश्य में पारिवारिक संरचना और सामाजिक दायरे सिमटने लगे हैं। ऐसे में वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सहभागिता और गरिमामय जीवन सुनिश्चित करना शासन की प्राथमिकता बन जाता है। इसी भावना को साकार करती है - छत्तीसगढ़ सरकार की संवेदनशील नीतियाँ और सशक्त क्रियान्वयन।

बुजुर्ग - संस्कृति, अनुभव और मूल्यों के स्तंभ- छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने वरिष्ठजनों के सम्मान को शासन प्रणाली में प्रमुख स्थान दिया है। उनका मानना है माता-पिता की पूजा ही ईश्वर की पूजा है। इसी सोच के साथ राज्य में ऐसे प्रकल्पों का विस्तार हो रहा है जो बुजुर्गों के जीवन की गुणवत्ता बढ़ाते हैं। एक अक्टूबर अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने रायपुर, बिलासपुर, कोरबा और दुर्ग में पीपीपी मॉडल के तहत आधुनिक वृद्धाश्रम स्थापित करने तथा असहाय बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के लिए रायपुर में उपकरण सर्विस सेंटर खोलने की घोषणा की। इसी के साथ राज्य में सियान गुड़ी जैसे सामाजिक-आध्यात्मिक केंद्रों का विस्तार बुजुर्गों को मानसिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक सहारा प्रदान कर रहा है।

छत्तीसगढ़ की समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने वृद्धजन केंद्रित कार्यक्रमों को जमीनी स्तर तक पहुँचाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उनका कहना है संवेदनशील शासन का अर्थ है, हर बुजुर्ग तक सेवा और सुरक्षा पहुँचाना।

राज्य में 35 वृद्धाश्रम सक्रिय रूप से संचालित हैं, जहाँ लगभग 1049 वरिष्ठ नागरिक भोजन, आवास, स्वास्थ्य, परामर्श और मनोरंजन की सुविधाएँ प्राप्त कर रहे हैं। गंभीर रोगों या असहाय स्थिति में रह रहे बुजुर्गों के लिए रायपुर, दुर्ग, कबीरधाम, रायगढ़, बालोद और बेमेतरा

इन 6 जिलों में प्रशामक देखभाल गृह संचालित किए जा रहे हैं, जहाँ 128 वरिष्ठजनों को नि:शुल्क उपचार, दवाइयाँ और नियमित स्वास्थ्य देखभाल मिल रहा है। वरिष्ठजनों की समस्याओं के निवारण हेतु स्थापित हेल्पलाइन सेवा द्वारा अब तक 2 लाख 70 हजार से अधिक प्रकरणों का समाधान किया जा चुका है। यह सेवा न केवल उनकी पहुँच बढ़ाती है, बल्कि आत्मविश्वास और सुरक्षा बोध भी जगाती है। वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम - 2007 का राज्य में सख्ती से पालन किया जा रहा है। अनुविभाग स्तर पर - भरण-पोषण अधिकरण, जिला स्तर पर - अपीलीय अधिकरण इन व्यवस्थाओं ने बुजुर्गों को संपत्ति, सुरक्षा और भरण-पोषण से जुड़े मामलों में त्वरित न्याय दिलाने का मार्ग प्रशस्त किया है। गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करने वाले वरिष्ठ नागरिकों को नियमित पेंशन सहायता प्रदान की जा रही है 60 से 79 वर्ष तक की आयु के बुजुर्गों को 500 रुपए प्रति माह और 80 वर्ष से अधिक आयु वाले वरिष्ठजनों को 650 रुपए प्रति माह सहायता राशि दी जा रही है। वर्तमान में 14 लाख से अधिक बुजुर्ग इस योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। यह सहायता उनके जीवन में आर्थिक सुरक्षा का आधार बनती है। राज्य सरकार की योजनाएँ गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा के अधिकार को सुदृढ़ कर रही हैं। आयुष्मान भारत और शहीद वीर नारायण सिंह स्वास्थ्य सहायता योजनाओं के तहत 8 लाख से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को नि:शुल्क उपचार मिला है।

साथ ही वरिष्ठ नागरिक सहायक उपकरण प्रदाय योजना के अंतर्गत 50 हजार से अधिक बुजुर्गों को व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, छड़ी, चश्मा जैसे उपकरण प्रदान किए गए हैं। आध्यात्मिक संतोष बुजुर्गों के मानसिक स्वास्थ्य का आधार है। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना और श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से 2.5 लाख से अधिक वरिष्ठ नागरिक, 278 व्यक्ति तीर्थयात्राओं का लाभ ले चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

जीएचवी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स कंपनी ने दूसरे क्वार्टर में मजबूत वृद्धि हासिल की, आय में 128 प्रतिशत और मुनाफे में 138 प्रतिशत की बढ़ोतरी

मुंबई : जीएचवी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (BSE-505504) कंपनी ने 30 सितंबर, 2025 को समाप्त दूसरे तिमाही और अर्धवार्षिक अवधि के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं। कंपनी ने इस अवधि के दौरान आय में 128% और मुनाफे में 138% की बढ़ोतरी दर्ज की है। उल्लेखनीय है कि जीएचवी इंफ्रा सड़क, रेल, पानी, एयरपोर्ट रनवे, बंदरगाह और ऊर्जा क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के साथ-साथ स्टील, रिफाइनरी, तेल और गैस पाइपलाइन्स, बड़े कारखाने आदि के औद्योगिक विकास तथा औद्योगिक, वेयरहाउसिंग, कॉमर्शियल, आवासीय, होटल, संस्थान, अस्पताल, प्लांट और नॉन-प्लांट इमारतों के EPC/टर्नकी प्रोजेक्ट्स के क्रियान्वयन से जुड़ी हुई कंपनी है।

जीएचवी इंफ्रा कंपनी ने 30 सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही अवधि में असाधारण वृद्धि दिखाई है, जो निम्नानुसार है - - परिचालन कार्य से आय वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के 8,046.00 लाख रुपए की तुलना में दूसरी तिमाही में 128त्न से अधिक बढ़कर 18,376.60 लाख रुपए हो गई।

-कंपनी के परिचालन लाभ (कर पूर्व लाभ) में लगभग 151% की असाधारण वृद्धि देखने को मिली है, जो वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के 632.16 लाख रूपये की तुलना में दूसरी तिमाही में 1,584.73 लाख रूपये तक पहुंच गया।

फोटो और व्यावसायिक मुद्रण के क्षेत्र की गुणवत्ता में सुधार के लिये आर्यश प्रिंटिंग प्रेस ने छत्तीसगढ़ में पहली एचपी इंडिगो डिजिटल प्रेस स्थापित की

दुर्ग : आर्यश प्रिंटिंग प्रेस ने आज छत्तीसगढ़ में पहली एचपी इंडिगो 7K डिजिटल प्रेस स्थापित करने की घोषणा की, जो क्षेत्रीय मुद्रण सेवाओं की गुणवत्ता, गति और बहुमुखी प्रतिभा को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

उच्च-गुणवत्ता वाले फ़ोटो आउटपुट और अल्पकालिक व्यावसायिक अनुप्रयोगों की बढ़ती ग्राहक माँग के साथ, एचपी इंडिगो 7K आर्यश प्रिंटिंग प्रेस को विवाह एल्बम, लक्ज़री निमंत्रण, लाइट पैकेजिंग, पर्सनल गिफ्ट बॉक्स, कैटलॉग, शीट-फ़ेड लेबल, प्लास्टिक कार्ड और मार्क कार्ड जैसी सुरक्षा मुद्रण की उभरती ज़रूरतों को पूरा करने में सक्षम बनाएगा—जो निरंतर जीवंतता और ऑफ़सेट-तुलनीय गुणवत्ता प्रदान करेगा। आर्यश प्रिंटिंग प्रेस के रवि कोड़ा ने कहा, अपने अनुभव के आधार पर, हमारा दृढ़ विश्वास है कि डिजिटल प्रिंट तकनीक की शक्ति बेजोड़ गति से कहीं अधिक बहुमुखी, उच्च-गुणवत्ता वाले समाधान प्रदान कर सकती है। हमारा लक्ष्य भारत के पहले विशिष्ट, विश्व-स्तरीय डिजिटल प्रिंटिंग सेटअप में से एक स्थापित करना है, जो ग्राहकों को ऐसे असाधारण उत्पाद प्रदान करे जो मुद्रण मानकों को नया आयाम दें।

डिजिटल प्रिंटिंग, रेडिंगटन लिमिटेड के उपाध्यक्ष रमेश केएस ने कहा - हमें छत्तीसगढ़ के सबसे प्रगतिशील प्रिंट उद्यमियों में से एक के साथ राज्य के पहले एचपी इंडिगो 7K डिजिटल प्रेस की स्थापना के माध्यम से साझेदारी करते हुए खुशी हो रही है। हमारा लक्ष्य उन्हें शादी के फोटो एल्बम, व्यावसायिक प्रिंटिंग, शीट-फेड लेबल और प्रमोशनल पैकेजिंग में विविध डिजिटल प्रिंट अवसरों का पता लगाने में मदद करना है। एचपी इंडिगो 7K पारंपरिक सीएमवाईके से परे एक एक्स्टेंडेड कलर प्रदान करता है, जो बेहतर फोटो रीप्रोडक्शन के लिए विविड पिंक, विविड रंगों जैसी विशेष इंक के साथ-साथ उच्च-मूल्य वाले व्यावसायिक अनुप्रयोगों के लिए सिल्वर, व्हाइट, ऑरेंज, वायलेट, ग्रीन और अन्य के साथ प्रिंटिंग को सक्षम बनाता है। रेडिंगटन ग्राहकों को डिजिटल तकनीकों को अपनाने में और मार्गदर्शन करेगा ताकि उभरते स्टार्टअप इकोसिस्टम को ऑन-डिमांड, अनुकूलित और टिकाऊ प्रिंटिंग समाधानों पर केंद्रित किया जा सके। इसके अतिरिक्त, हम विविध प्रिंट बाजारों में चुस्त और स्केलेबल विस्तार को सक्षम करने के लिए वेब-टू-प्रिंट सेवाओं की स्थापना में ग्राहक का समर्थन करेंगे। एचपी इंडिगो 7K का ऑन-डिमांड मॉडल और भी अधिक टिकाऊ प्रिंट उत्पादन प्रिंटरों को ग्राहकों को उनकी ज़रूरत के अनुसार उत्पादन करने में सक्षम बनाकर, यह तकनीक इन्वेंट्री, अपशिष्ट और ऊर्जा खपत को कम करती है, जो कंपनी के दीर्घकालिक स्थिरता रोडमैप के अनुरूप है।

आर्यश प्रिंटिंग प्रेस अपने वर्कफ़्लो में HP PrintOS को भी एकीकृत कर रहा है ताकि प्रोडक्शन परफॉर्मेंस की रीयल-टाइम दृश्यता प्राप्त हो, संचालन को अनुकूलित किया जा सके और डेटा-संचालित निर्णयों के माध्यम से गुणवत्ता स्थिरता को मज़बूत किया जा सके। इस स्थापना के साथ, आर्यश प्रिंटिंग प्रेस छत्तीसगढ़ को प्रीमियम डिजिटल प्रिंट नवाचार के एक क्षेत्रीय केंद्र में बदलने की अपनी प्रतिबद्धता को और मज़बूत करता है।

आर्यश प्रिंटिंग प्रेस के बारे में - आर्यश प्रिंटिंग सॉल्यूशंस एलएलपी छत्तीसगढ़ में सबसे विश्वसनीय डिजिटल प्रिंटिंग सेवा प्रदाताओं में से एक है, जो विश्व स्तरीय प्रिंटिंग गुणवत्ता, तेज़ टर्नअराउंड समय और विविध प्रिंटिंग अनुप्रयोग प्रदान करता है। हमारा उद्देश्य अत्याधुनिक तकनीक के साथ छत्तीसगढ़ भर के व्यक्तियों और व्यवसायों को उच्च-गुणवत्ता वाली प्रिंटिंग सेवाएँ प्रदान करना है। अत्याधुनिक HP इंडिगो 7K डिजिटल प्रेस में हमारे निवेश के साथ, हमारा लक्ष्य वेडिंग एल्बम, व्यावसायिक प्रिंटिंग, फेटो बुक, पैकेजिंग सॉल?यूशंस और कस्टम डिज़ाइन में अपनी प्रीमियम सेवाओं का विस्तार करना है।

रेडिंगटन लिमिटेड के बारे में - रेडिंगटन लिमिटेड (एनएसई: रेडिंगटन; बीएसई: 532805), एक अग्रणी प्रौद्योगिकी समाधान प्रदाता और फॉर्च्यून इंडिया 500 कंपनी, प्रौद्योगिकी संबंधी बाधाओं - नवाचार और अपनाने के बीच के अंतर को दूर करके व्यवसायों को उनकी डिजिटल परिवर्तन यात्रा में सशक्त बनाती है। 40 से अधिक बाजारों, 450 से अधिक ब्रांड एसोसिएशनों और 70,000 से अधिक चैनल भागीदारों में उपस्थिति के साथ, रेडिंगटन विभिन्न बाजारों में आईटी/आईटीईएस, दूरसंचार, जीवनशैली, 2डी डिजिटल प्रिंटिंग और 3डी प्रिंटिंग समाधानों और सौर उत्पादों के लिए संपूर्ण वितरण को सक्षम बनाता है।

मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण आज से प्रारंभ : सभी विधानसभा क्षेत्रों में बीएलओ ने घर-घर जाकर बांटे गणना प्रपत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सभी विधानसभा क्षेत्रों में आज से मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) प्रारंभ हो गया है। आज दिनांक 04.11.2025 से राज्य के सभी मतदान केंद्रों के बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) वितरित किए जा रहे हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर के तहत पुनरीक्षण के लिए अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। इसके लिए 4 नवम्बर 2025 से 4 दिसम्बर 2025 तक गणना प्रपत्र भरे जाएंगे। छत्तीसगढ़ के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री यशवंत कुमार ने राज्य के सभी पात्र नागरिकों से एसआईआर में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। उन्होंने सभी मतदाताओं से आग्रह किया है कि वे मतदाता सूची में अपने नाम का सत्यापन अवश्य कराएं। मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष पुनरीक्षण अभियान संचालित किया जा रहा है। एसआईआर के लिए नागरिक अपने मतदान केंद्र के बूथ लेवल अधिकारी के माध्यम से ऑफ्लाइन गणना प्रपत्र भरकर जमा कर सकते हैं। मतदाता अपने मोबाइल फोन पर ईसीआईनेट एप (ECINET App) डाउनलोड कर या वोटर्स डॉट ईसीआई डॉट जीओव्ही डॉट इन (voters.eci.gov.in) वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन गणना प्रपत्र भर सकते हैं। फॉर्म भरने में किसी प्रकार की कठिनाई होने पर मतदाता टोल-फ्री नंबर 1950 पर फोन कर या अपने बूथ लेवल अधिकारी से सहयोग प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त मतदाता ECINET मोबाइल ऐप से "Book a Call with BLO" से अपने बूथ लेवल अधिकारी से सीधे तौर पर संपर्क करने के लिए रिक्वेस्ट कर सकता है। मतदाता को एन्यूमरेशन फॉर्म भरने में किसी भी तरह की परेशानी ना हो इसको ध्यान में रखते हुए जिला एवं तहसील स्तर पर हेल्प डेस्क एवं आईटी डेस्क स्थापित किए गए हैं, जिसमें कार्यालयीन समय पर अधिकारी कर्मचारी मतदाताओं के सहायता के लिए उपस्थित रहते हैं।

छत्तीसगढ़ में ऐसा है एसआईआर का कार्यक्रम - छत्तीसगढ़ में एसआईआर के लिए 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) भरे जाएंगे। 9 दिसम्बर को मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। मतदाता सूची के मसौदे पर 9 दिसम्बर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक दावा-आपत्ति प्राप्त की जाएगी। नोटिस चरण के दौरान सुनवाई और सत्यापन कर 9 दिसम्बर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक दावा-आपत्तियों का निराकरण किया जाएगा।

मानवीय संवेदना के साथ आकांक्षी क्षेत्रों में विकास कार्य करें - राज्यपाल श्री रमेन डेका

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज राजभवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बस्तर संभाग के आकांक्षी विकासखण्डों में चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को मानवीय संवेदना के साथ आकांक्षी क्षेत्र में तेजी से समन्वित विकास के लिए निर्देशित किया है।

बैठक में राज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास की दिशा में विशेष पहल करें और इसमें तेजी से प्रगति लायें। टीबी उन्मूलन के कार्य को गति देने, स्कूलों से ड्रॉप आउट बच्चों पर विशेष ध्यान देने, आजीविका के लिए स्व-सहायता समूहों को मजबूत करने और उन्हें रोजगार कार्यों से जोड़ने के लिए कहा गया है। बैठक में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, आकांक्षी जिलों के कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत एवं विभिन्न विभागों के जिला एवं विकासखंड अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल श्री डेका ने बस्तर जिले के तोकापाल, बीजापुर जिले के उसूर, दंतेवाड़ा जिले के कुवाकोंडा, कोण्डागांव जिले के माकड़ी, नारायपुर जिले के ओरछा, सुकमा जिले के कोंटा और कांकेर जिले के कोयलीबेड़ा एवं दुर्गकोंदल आकांक्षी विकासखण्डों में किए जा रहे समन्वित विकास कार्यों एवं योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा की। राज्यपाल ने इन क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और इसके लिए जनजागरूकता की दिशा में प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। राज्यपाल ने रेडक्रॉस सोसायटी में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने और इसका सक्रिय उपयोग लेने कहा है। बच्चों के सुपोषण, पशु टीकाकरण पर ध्यान देने कहा गया है। स्कूलों मं। बच्चों के आंख एवं कान की नियमित जांच कराने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत दूरस्थ क्षेत्रों में तेजी से आवास के निर्माण के लिए सामाग्री का भंडारण समन्वय के साथ करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। अधिकारियों को दिसंबर माह तक कार्य में प्रगति लाकर प्रगति रिपोर्ट देने कहा गया है।

मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू, BLO ने घर-घर बांटे गणना प्रपत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सभी विधानसभा क्षेत्रों में आज से मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) प्रारंभ हो गया है। 4 नवंबर से राज्य के सभी मतदान केंद्रों के बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) वितरित किए जा रहे हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर के तहत पुनरीक्षण के लिए अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। इसके लिए 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक गणना प्रपत्र भरे जाएंगे। छत्तीसगढ़ के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी यशवंत कुमार ने राज्य के सभी पात्र नागरिकों से एसआईआर में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। उन्होंने सभी मतदाताओं से आग्रह किया है कि वे मतदाता सूची में अपने नाम का सत्यापन अवश्य कराएं। मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष पुनरीक्षण अभियान संचालित किया जा रहा है।

एसआईआर के लिए नागरिक अपने मतदान केंद्र के बूथ लेवल अधिकारी के माध्यम से ऑफ्लाइन गणना प्रपत्र भरकर जमा कर सकते हैं। मतदाता अपने मोबाइल फोन पर ईसीआईनेट एप (ECINET App) डाउनलोड कर या वोटर्स डॉट ईसीआई डॉट जीओव्ही डॉट इन (voters.eci.gov.in) वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन गणना प्रपत्र भर सकते हैं। फॉर्म भरने में किसी प्रकार की कठिनाई होने पर मतदाता टोल-फ्री नंबर 1950 पर फोन कर या अपने बूथ लेवल अधिकारी से सहयोग प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त मतदाता ECINET मोबाइल ऐप से "Book a Call with BLO" से अपने बूथ लेवल अधिकारी से सीधे तौर पर संपर्क करने के लिए रिक्वेस्ट कर सकता है। मतदाता को एन्यूमरेशन फॉर्म भरने में किसी भी तरह की परेशानी ना हो इसको ध्यान में रखते हुए जिला एवं तहसील स्तर पर हेल्प डेस्क एवं आईटी डेस्क स्थापित किए गए हैं, जिसमें कार्यालयीन समय पर अधिकारी कर्मचारी मतदाताओं के सहायता के लिए उपस्थित रहते हैं। छत्तीसगढ़ में एसआईआर के लिए 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) भरे जाएंगे। 9 दिसम्बर को मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ बन रहा है टेक्नोलॉजी और इनोवेशन का नया पावर सेंटर - मुख्यमंत्री श्री साय

विजन 2047 की ओर सशक्त कदम: छत्तीसगढ़ टेक स्टार्ट 2025 ने खोले नवाचार के नए द्वार

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज नया रायपुर स्थित मेफेयर होटल में आयोजित 'छत्तीसगढ़ टेक स्टार्ट' कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 'टेक स्टार्ट' का यह आयोजन राज्य में नवाचार और तकनीकी उद्यमिता को नई दिशा देने वाला एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इस अवसर पर उन्होंने 'आइडियाथॉन 2025' के विजेताओं को सम्मानित किया और छत्तीसगढ़ शासन के साथ पार्टनरशिप एक्सचेंज करने वाली इकाइयों को एग्रीमेंट पत्र सौंपे। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित तकनीकी क्षेत्र के विशेषज्ञों, उद्यमियों एवं प्रबुद्धजनों को रजत जयंती वर्ष की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे विजनरी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सदैव बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया है। उनके 'विकसित भारत' के संकल्प से प्रेरणा लेते हुए राज्य सरकार ने वर्ष 2047 तक

'विकसित छत्तीसगढ़' का लक्ष्य तय किया है, जिसके लिए विजन डॉक्यूमेंट भी तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में आज भारत में लाखों स्टार्टअप कार्यरत हैं, जिनमें से अनेक यूनिकॉर्न बन चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार भी युवाओं की उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के युवा कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने की अद्भुत क्षमता रखते हैं। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश की बेटी आकांक्षा सत्यवंशी भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियोथैरेपिस्ट हैं, वहीं स्क्वाड्रन लीडर गौरव पटेल नया रायपुर एयरो शो में फाइटर प्लेन उड़ाकर राज्य का गौरव बढ़ा रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस और सिंगल विंडो सिस्टम को सशक्त करते हुए 350 से अधिक सुधार किए हैं, जिससे छत्तीसगढ़ निवेश के लिए देश के सबसे आकर्षक राज्यों में शामिल हो गया है। औद्योगिक विकास के साथ-साथ आईटी और आईटीईएस सेक्टर में भी राज्य तीव्र गति से प्रगति कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि हाल ही में आयोजित 'आइडियाथॉन 2025' में प्रदेशभर से 1800 से अधिक स्टार्टअप आइडिया प्राप्त हुए, जिनमें दूरस्थ अंचलों के युवाओं की भागीदारी भी उल्लेखनीय रही। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इन नवाचारों को मंच, मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि रायपुर को आईटी और तकनीकी सेवाओं का केंद्र बनाने की दिशा में कार्य तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। एआई डेटा सेंटर पार्क और सेमीकंडक्टर प्लांट जैसी परियोजनाएं भी साकार हो रही हैं। श्री साय ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब तक राज्य सरकार को साढ़े सात लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। उन्होंने राज्य में तीव्र आर्थिक गतिविधियों और युवाओं के लिए रोजगार सृजन के बढ़ते अवसरों पर भी विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने उद्यमियों से कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार आपके साथ चट्टान की तरह खड़ी है। अपनी मेहनत और प्रतिभा को वैश्विक स्तर पर ले जाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि आप सभी की सफलता ही छत्तीसगढ़ का गौरव बनेगी। मुख्य सचिव श्री विकास शील ने कहा कि नई औद्योगिक नीति 2024 का उद्देश्य उद्यमिता को बढ़ावा देना और विजन 2047 के अनुरूप विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण करना है। उन्होंने बताया कि इस नीति में नवाचार, निवेश, रोजगार और स्टार्टअप के अवसरों को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने ई-वेस्ट मैनेजमेंट, राइजिंग सेक्टर और स्किल डेवलपमेंट जैसे उभरते क्षेत्रों में कार्य करने की आवश्यकता बताई तथा उद्यमियों से अपने सुझाव साझा करने का आग्रह किया।

संपादकीय

न्यूनतम अनुशासन स्वीकार करना चाहिए

एआई से तैयार कंटेन्ट आज एक ऐसी हकीकत हैं, जिनके साथ जीना समाज को सीखना होगा। ऐसे कंटेन्ट समाज उथल-पुथल का जरिया बन सकते हैं। अत: इस कारोबार से जुड़े सभी पक्षों को न्यूनतम अनुशासन स्वीकार करना चाहिए। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) से तैयार कंटेन्ट को विनियमित करने के लिए पिछले हफ्ते सरकार ने नियमों का प्रारूप जारी किया, जिसको लेकर एआई प्लैटफॉर्म्स, कंटेन्ट क्रियेटर्स और इस उद्योग से जुड़े दूसरे हितधारकों ने कई आशंकाएं जताई हैं। एक प्रमुख दलील यह है कि इन नियमों का कंटेन्ट क्रियेटर्स की रचनात्मकता पर खराब असर पड़ेगा। खास एतराज कंटेन्ट के दस फीसदी हिस्से को वाटरमार्क के लिए आरक्षित रखने के प्रावधान पर है, जिस पर यह लिखा होगा कि संबंधित कंटेन्ट एआई से तैयार किया गया है। तर्क दिया गया है कि इससे व्यापारिक उद्देश्यों के लिए तैयार कंटेन्ट का प्रभाव घट जाएगा। कहा गया है कि ऐसे कंटेन्ट एआई और मानव कौशल के मेल से तैयार किए जाते हैं, जिस बात की अनदेखी प्रारूप में की गई है। नियमों के तहत सोशल मीडिया कंपनियों पर भी जवाबदेही डाली गई है। देखने वालों को यह साफ-साफ मालूम हो कि कंटेन्ट कृत्रिम ढंग से तैयार किया गया है, इन कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा। बहरहाल, यह प्रावधान भी प्रारूप में शामिल है कि सिर्फ वरिष्ठ अधिकारियों के पास ही किसी कंटेन्ट को हटवाने का अधिकार होगा। ऐसा निर्देश सिर्फ संयुक्त सचिव या उनसे ऊपर स्तर के अधिकारी अथवा राज्यों में पुलिस उपमहानिदेशक स्तर के अधिकारी ही जारी कर सकेंगे। शरारती कंटेन्ट के मामलों में अभी मौजूद सूचना तकनीक कानून के प्रावधान लागू किए जाएंगे। तो कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि सूचना तकनीक को विनियमित करने के पहले से मौजूद प्रावधानों का विस्तार अब एआई से तैयार डीपफेक एवं दूसरे आपत्तिजनक कंटेन्ट को नियंत्रित करने के लिए किया जाएगा। यह नहीं कहा जा सकता कि यह पूरी तरह गैर-जरूरी है। एआई से तैयार कंटेन्ट आज एक ऐसी हकीकत हैं, जिनके साथ जीना समाज को सीखना होगा। ऐसे कंटेन्ट समाज उथल-पुथल का जरिया बन सकते हैं। अत: इस कारोबार से जुड़े सभी पक्षों को न्यूनतम अनुशासन स्वीकार करना चाहिए। बहरहाल, इस क्रम में रचनात्मकता कुंद ना हो जाए, यह उचित अपेक्षा है। चूंकि अभी नियमों का प्रारूप ही आया है, इसलिए सभी संबंधित पक्षों के साथ राय-मशविरे कर केंद्र को इसे अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए।

ट्रेन की बोगियों में घुसने स्टेशनों पर धक्कामुक्की

अजीत द्विवेदी

देश के अलग अलग हिस्सों से मीडिया और सोशल मीडिया में तस्वीरें आ रही हैं कि कैसे बिहार के लोग ट्रेन की बोगियों में घुसने के लिए स्टेशनों पर धक्कामुक्की कर रहे हैं। कैसे गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के स्टेशनों के बाहर लंबी लंबी कतारों में घंटों खड़े रह रहे हैं और उसके बाद भी ट्रेनों में भेड़ बकरियों की तरह ठूंस कर जा रहे हैं। अपने माता पिता के साथ बाथरूम के सामने खड़े होकर यात्रा कर रही एक छोटी सी बच्ची की ऐसी हृदयविदारक तस्वीर अखबारों में छपी, जिसे देख कर पीड़ा और क्रोध का सहज मनोभाव उमड़ आए। यह सिर्फ इस बार की घटना नहीं है। हर बार होली, दिवाली और छठ पर इस तरह की तस्वीरें आती हैं। कोरोना की महामारी में पूरे देश ने आजादी के बाद पलायन की सबसे बड़ी त्रासदी की तस्वीरें देखीं। तपती धूप में, बच्चों को कंधे पर लिए लोग पैदल चले जा रहे थे। आदमियों की कतारें चींटियों की कतारों से बेहतर नहीं थीं, जो अनायास पैरों तले कुचल जाती हैं। इन तस्वीरों से दो सवाल उठते हैं। पहला, तात्कालिक और दूसरा दीर्घकालिक है। तात्कालिक सवाल तो यह है कि ऐसा क्या है, जो भारत की सर्व शक्तिशाली सरकार, कुछ लाख लोगों को सुविधा के साथ उनके गंतव्य तक नहीं पहुंचा सकती है? याद करें कैसे कुछ महीने पहले ऐलान किया गया था कि इस बार त्योहारों के समय 12 हजार विशेष ट्रेनें चलेंगी। सोचें, यह कितनी बड़ी संख्या है? अगर यह मान लिया जाए कि ट्रेनें कम होंगी और उनके फेरे 12 हजार होंगे तब भी यह संख्या बहुत बड़ी है। बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रवासियों की संख्या निश्चित रूप से बड़ी है लेकिन अब तो बहुत बड़ी आबादी त्योहार मनाने लौट नहीं रही है। लोग जहां हैं वही त्योहार मना रहे हैं तभी दिल्ली में यमुना के किनारे या देश के दूसरे शहरों में नदियों के किनारे हर साल छठ करने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। फिर भी जितने लोग लौटना चाहते हैं कभी भी सरकारें उनके लिए सुविधाजनक व्यवस्था नहीं कर पाती है। उनको टिकट लेकर यात्रा करनी है। वे पैसे चुकाने को तैयार हैं और दूसरी ओर सरकारें भी सुविधा देने के वादे कर रही हैं फिर भी लोग जानवरों की तरह ट्रेनों, बसों में लद कर जाते हैं! जाहिर है कि सरकार के दावे, तैयारियों और वास्तविकता में मिसमैच है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव पिछले 10 दिन में कम से कम दो बार नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर सुविधाओं का जायजा लेने पहुंचे। लेकिन क्या सुविधा मुहैया कराई गई? स्टेशन पर आधुनिक होल्डिंग एरिया बना दिया गया है, जहां लोगों को रोक कर रखा जाता है। इसका मकसद यह है कि जैसे कुछ समय पहले स्टेशन पर भगदड़ हुई थी वैसी भगदड़ न हो। सरकार को सिर्फ भगदड़ की चिंता है क्योंकि उससे इमेज खराब होती है। बाकी लोग भेड़, बकरियों की तरह लद कर जा रहे हैं, स्टेशनों पर रात बिता रहे हैं, स्टेशनों के बाहर लंबी कतारों में खड़े हैं उससे कोई फर्क नहीं पड़ता! अगर सचमुच 12 हजार ट्रेनें चला दी जाएं और एक करोड़ लोग भी दिवाली, छठ के लिए यात्रा करने वाले हों तब भी बड़े आराम से इसे मैनेज किया जा सकता है। हर दिन दो करोड़ से ज्यादा यात्रियों को ढोने वाली भारतीय रेल के जरिए सरकार 10 दिन से ज्यादा की अवधि में करीब एक करोड़ लोगों को सुविधा के साथ उनके गंतव्य तक नहीं पहुंचा पाती है! दूसरा दीर्घकालिक सवाल यह है बिहार में सरकार इस स्थिति को बदलने के लिए कोई ठोस उपाय क्यों नहीं कर पाती है?

चौथाई सदी में कितना बदला धान का कटोरा

उमेश चतुर्वेदी

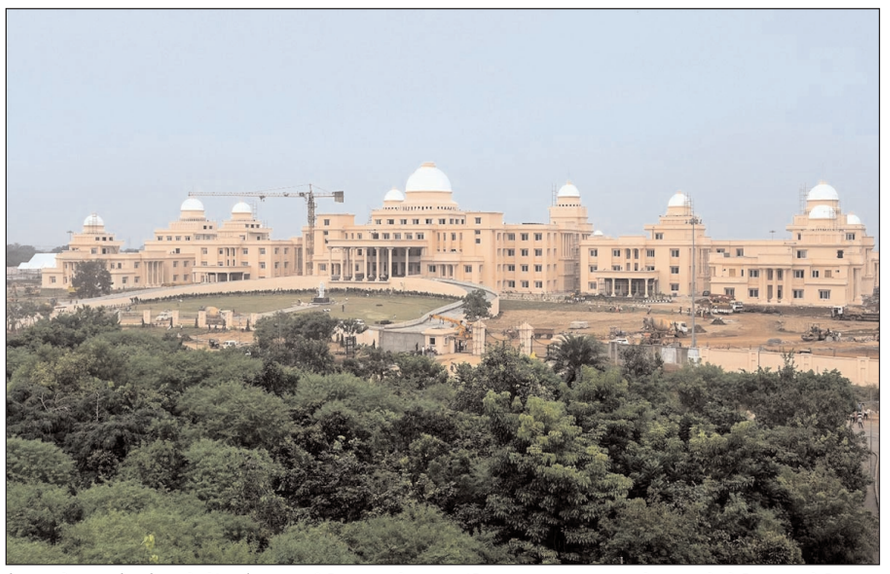

इक्कीसवीं सदी की आहट सुनाई देने लगी थी..उन दिनों इन पंक्तियों का लेखक मध्य प्रदेश-राजस्थान के एक बड़े अखबार का दिल्ली में संवाददाता था..उस दिन खबरों का सूखा था..उसे दूर करने की नीयत से इन पंक्तियों का लेखक धरनों के लिए विख्यात जंतर-मंतर पर जा पहुंचा...वहां जाकर देखा, मध्य प्रदेश से अलग करके छत्तीसगढ़ राज्य बनाने की मांग को लेकर साधारण-सा व्यक्ति धरने पर बैठा था..साथ में गिनती के विश्वासपात्र ही बैठे थे..पता चला कि धरनारत उस व्यक्ति के पास खाने तक के पैसे नहीं थे..उनसे पता चली कि रात को रोजाना अपनी क्षुधा शांत करने के लिए पास ही स्थित गुरूद्वारा बंगला साहिब या फिर रकाब जाते और वहां के लंगर से अपनी भूख शांत करते थे..उनके साथियों का भी यही हाल था..वनोपज और प्राकृतिक संसाधनों से युक्त राज्य का धरना और उसे सहारा लंगर का..मर्म को छूने वाली वह खबर थी..खबर लिखी भी, 'लंगर के सहारे चलता अलग राज्य का धरना'. खबर छपते ही रायपुर और उसके आस-पास हलचल मच गई। तब आज की तरह फोन नहीं थे..लेकिन लोग उस धरना देने वाले व्यक्ति का पता पूछने और उन तक अपनी श्रद्धा रकम पहुंचाने की जैसे होड़ लग गई..

एक नवंबर के दिन छत्तीसगढ़ की उम्र चौथाई सदी पूरी कर चुकी है। इस राज्य के जन्म के लिए धरनारत रहे उस व्यक्ति का नाम लोग भूल चुके हैं। राजनेताओं की लंबी फेहरिस्त राजनीतिक क्षितिज पर अपनी अच्छी-बुरी उपलब्धियों के साथ चमक रही है। लेकिन दाऊ आनंद अग्रवाल का संघर्ष कहीं खो गया है। पता नहीं छत्तीसगढ़ के लोगों, विशेषकर प्रबुद्ध लोगों को उनका नाम याद है भी या नहीं। उन दिनों छत्तीसगढ़ के एक प्रमुख दैनिक के दिल्ली ब्यूरो प्रमुख रहे विनोद वर्मा बताते हैं कि दाऊ के एक वक्त का भोजन अखबारों के प्रमुख दफ्तर आईएनएस बिल्डिंग की कैंटीन में होता था..जिसका खर्च विनोद वर्मा उठाते थे। यहां बता दें कि विनोद वर्मा बाद के दिनों में छत्तीसगढ़ के कांग्रेसी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार रहे।

आनंद अग्रवाल को ही क्यों, बहुत लोगों को पवन दीवान की भी याद नहीं होगी। पवन दीवान बुनियादी रूप से समाजवादी नेता थे। यह बात और है कि उन्होंने बाद में राजनीतिक दलों में खूब आवाजाही की। कभी बीजेपी के कमलधारक बने तो कभी कांग्रेस के हाथ का साथ लिया। लेकिन छत्तीसगढ़ को अलग राज्य बनाने के लिए बड़ा आंदोलन उन्होंने किया था। दिल्ली के जंतर-मंतर पर उन्होंने बड़ा प्रदर्शन भी किया था। छत्तीसगढ़ अब अलग राज्य के रूप में फल-फूल रहा है। लेकिन उसे मध्य प्रदेश से अलग राज्य बनाने की पहली बार ठोस मांग करने वाले खूबचंद बघेल के नाम को कितने लोग याद करते हैं, पता नहीं। पिछली सदी के साठ के दशक के आखिरी वर्षों में उन्होंने छत्तीसगढ़ भ्रातृ संघ बनाया था और अलग राज्य की उन्होंने मांग को पहली बार ताकतवर सुर दिया था। जिन्होंने भी छत्तीसगढ़ को अलग राज्य बनाने की मांग रखी, उनकी मांग का आधार था छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक संसाधन, वनोपज और खूबसूरत नजारे। सबका मानना था कि अपने प्राकृतिक सौंदर्य, वनोपज और खनिजों की वजह से छत्तीसगढ़ कहीं ज्यादा समृद्ध है, लेकिन उसका फायदा उसके निवासियों को नहीं मिल रहा है। उस पर कब्जा राज्य के दूसरे इलाके के लोगों और राजनीतिक वर्चस्व वाली ताकतों को मिल रहा है। वैसे छत्तीसगढ़ को अलग राज्य बनाने की मांग 1924 में रायपुर में हुई थी। लेकिन तब देश गुलाम था, अंग्रेजी दासतां से मुक्ति तब पहला उद्देश्य था। लिहाजा यह मांग सिरे से परवान नहीं चढ़ पाई।

दिलचस्प यह है कि जिन्होंने अलग राज्य की मांग रखी, राजनीतिक रूप से उनका आज कोई अस्तित्व ही नहीं है। इसे बिडंबना कहें कि कुछ और, यह स्थिति छत्तीसगढ़ के साथ बने उत्तराखंड राज्य की भी है। उत्तराखंड को उत्तर प्रदेश से अलग राज्य बनाने की मांग को लेकर सबसे जोरदार आंदोलन उत्तराखंड क्रांति दल ने चलाया, उसकी कीमत भी चुकाई। मुजफ्फरनगर कांड उस कीमत की चरम परिणति कही जा सकती है। लेकिन उत्तराखंड में आज उत्तराखंड क्रांति दल हाशिए पर है।

छत्तीसगढ़ से जुड़ा एक और वाकया याद आ रहा है। छत्तीसगढ़ में पहली बार विधानसभा चुनाव 2003 में हो रहा था। उसकी तैयारी भारतीय जनता पार्टी ने एक साल पहले ही शुरू कर दी थी। उन दिनों केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी की अगुआई में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार थी। उस सरकार में रमन सिंह इस्पात राज्य मंत्री थे। बीजेपी ने तय किया कि उन्हें चुनावी तैयारी के लिए छत्तीसगढ़ भेजा जाए। रमन सिंह छत्तीसगढ़ जाना नहीं चाहते थे। दिल्ली के ललित होटल के एक कार्यक्रम में दबी जुबान से बीजेपी के इस फैसले का विरोध भी जताया था। शायद उन्हें अपने भावी किस्मत का पता नहीं था। भारी मन से वे छत्तीसगढ़ गए, लेकिन विधानसभा चुनावों में उनकी अगुआई में भारी जीत मिली। मुख्यमंत्री बने और लगातार तीन कार्यकाल तक मुख्यमंत्री रहने का उन्हें स्वर्णिम मौका मिला।

छत्तीसगढ़ ने तब से लेकर अब तक लंबी यात्रा कर ली है। छत्तीसगढ़ की पच्चीस साल की इस यात्रा में सत्रह साल तक बीजेपी का शासन रहा है, जबकि महज आठ साल कांग्रेस की सरकार रही। छत्तीसगढ़ जब अलग हुआ था तो उसका बजट महज पांच हजार सात सौ करोड़ का था। आज राज्य का बजट एक लाख 65 हजार सौ करोड़ तक पहुंच गया है। राज्य की मौजूदा विष्णुदेव साय सरकार इसे गति यानी सुशासन, त्वरित अवसंरचना, प्रौद्योगिकी और औद्योगिक विकास की थीम पर आधारित बजट बता रही है। छत्तीसगढ़ राज्य जब बना तो वहां सिर्फ एक मेडिकल कॉलेज था, वहां एकमात्र मेडिकल कॉलेज पंडित जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, रायपुर था। यह कॉलेज 1963 में स्थापित किया गया था और इसे रायपुर मेडिकल कॉलेज के नाम से भी जाना जाता है। लेकिन छत्तीसगढ़ में आज 14 मेडिकल कॉलेज हैं, जिनमें 11 सरकारी, एक एम्स और 3 निजी कॉलेज शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, राज्य में 4 नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों के निर्माण की घोषणा की जा चुकी है। ये कॉलेज बन गए तो उनकी संख्या 18 हो जाएगी। कह सकते हैं कि राज्य ने मेडिकल के क्षेत्र में बड़ी छलांग लगा ली है।

छत्तीसगढ़ को लेकर एक छवि यह है कि वह छोटा राज्य है। लेकिन हकीकत ऐसा नहीं है। उसे छोटा मानने की वजह उसकी अपेक्षाकृत कम जनसंख्या है। साल 2011 की जनगणना के अनुसार, राज्य की जनसंख्या दो करोड़ 55 लाख से ज्यादा है। अनुमान है कि इन दिनों राज्य की जनसंख्या तीन करोड़ आठ लाख के करीब है। आम धारणा है कि छत्तीसगढ़ बिहार से भी छोटा है। बिहार की जनसंख्या करीब तेरह करोड़ से कुछ ज्यादा है। लेकिन हकीकत यह है कि छत्तीसगढ़ रकबा के लिहाज से बिहार से डेढ़ गुना बड़ा राज्य है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के सलाहकार पंकज झा कहते हैं कि छोटा राज्य होने की छवि के चलते छत्तीसगढ़ को भारतीय राजनीति का ज्यादातर हिस्सा उसे कमतर आंकता है। इस छवि को तोड़ना उनकी सरकार की प्राथमिकता है।

जब छत्तीसगढ़ बना था, तब उसके हिस्से मध्य प्रदेश के 16 जिले आए थे। लेकिन आज छत्तीसगढ़ में 33 जिले हैं। खूबसूरत झरने, प्राकृतिक जंगलों और खूबसूरत पहाड़ों के प्रदेश छत्तीसगढ़ में कोयला, लोहा और टिन का प्रचुर खनिज भंडार है। देश का तीसरा सबसे बड़ा वनाच्छादित राज्य छत्तीसगढ़ है, जिसका कुल 44.24 प्रतिशत हिस्सा जंगलों से ढंका पड़ा है। जाहिर है कि इनकी वजह से जहां पर्यावरण की रक्षा हो रही है, वहीं जंगल पर आधारित जनजातियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ एक नए राज्य के रूप में अपनी स्थापना के बाद से, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और अर्थव्यवस्था जैसे कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बदलाव से गुजरा है। राज्य की प्रति व्यक्ति आय में लगभग 10 गुना वृद्धि हुई है, राज्य की जीडीपी 21,000 करोड़ डॉलर से बढ़कर लगभग अब करीब 5 लाख करोड़ डॉलर की हो गई है। कभी यहां आने में बैंक हिचकते थे, लेकिन अब यहां बैंकों का जाल है। राजमार्ग और रेलवे का नेटवर्क भी राज्य में बहुत बढ़ा है। मध्य प्रदेश से अलग होते वक्त राज्य में महज चार विश्वविद्यालय थे, जिनकी संख्या बढ़कर अब 25 हो चुकी है। पहले नक्सल प्रभावित इलाकों में स्कूलों की भारी कमी थी। लेकिन अब यहां नए स्कूल खोले गए हैं और पोटाकेबिन, आश्रम और छात्रावास जैसी पहल शुरू की गई हैं। बस्तर में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का निर्माण किया गया है, हालाँकि यह अभी अधूरा है। नक्सलवाद के चलते यहां परिवहन ढांचा सुदृढ़ नहीं था। लेकिन अब उसमें भी बदलाव आया है। राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों और रेल लाइनों की लंबाई दोगुनी हो गई है। पहले राज्य की राजधानी रायपुर से सिर्फ छह उड़ानों की सुविधा थी, जो अब बढ़कर 76 हो गई है। बस्तर और सरगुजा में भी हवाई अड्डे बनाए गए हैं। जगदलपुर में साप्ताहिक आधार पर उड़ीसा और आंध्र प्रदेश के लिए विमान सेवाएं जारी हैं। राज्य की शुरूआत में जहां बैंक शाखाओं की संख्या 1500 थी, वह अब बढ़कर 6500 हो गई है। छत्तीसगढ़ को उसकी धान की उपज के लिए धान का कटोरा कहा जाता था। अलग राज्य बनने के बाद राज्य में जहां धान की खरीद 5 लाख मीट्रिक टन थी, वह अब बढ़कर 1.5 करोड़ मीट्रिक टन हो गई है। इसी तरह राज्य में बिजली उत्पादन 7300 मेगावाट से बढ़कर 18000 मेगावाट तक पहुंच गया है। राज्य के वनोपज में तेंदूपत्ता का प्रमुख स्थान है। सरकारी स्तर पर तेंदूपत्ता संग्रहण मूल्य को ?2500 से बढ़ाकर ?4000 प्रति मानक बोरा कर दिया गया है।

कभी लोहा, कोयला और धान के लिए विख्यात छत्तीसगढ़ अब ऊर्जा, गारमेंट, न्यू डेटा सेंटर और फार्मा के राज्य के रूप में भी उभर चुका है। निश्चित तौर पर इसके लिए राज्य की दोनों प्रमुख पार्टियों की सरकारों का योगदान रहा है। आज छत्तीसगढ़ महिला कल्याण, संस्कृति और किसान कल्याण योजनाओं ने भी राज्य की तसवीर बदलने में बड़ी भूमिका निभाई है। अलग राज्य बनने से पहले राज्य की सिंचाई क्षमता 13.28 लाख हेक्टेयर थी, वह अब बढ़कर 21.76 लाख हेक्टेयर पहुंच गई है।राज्य की सालाना कृषि विकास दर 7.8 प्रतिशत हो गई है। पिछले पच्चीस सालों में रायपुर, भिलाई, कोरबा और रायगढ़ राज्य के बड़े औद्योगिक इलाके के रूप में विकसित हुए हैं। कभी जहां बंदूकों की आवाज गूंजती थी, वहां अब विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। राज्य में चहुंओर बदलाव दिख रहा है। अपेक्षाकृत सहज माने जाने वाला राज्य का बहुसंख्यक आदिवासी समुदाय भी मुख्यधारा में नजर आ रहा है। गुरूद्वारे के लंगर के सहारे जिस अलग राज्य की मांग राजधानी दिल्ली में परवान चढ़ी थी, वह राज्य अब नई कहानियां लिख रहा है। राजनीतिक तौर पर राजनीतिक नैरेटिव के हिसाब से सवाल हो सकते हैं। लेकिन उन सवालों के बावजूद एक तथ्य समान है, वह कि राज्य ने चौथाई सदी में बहुत कुछ हासिल किया है। इसका यह मतलब नहीं कि और कुछ हासिल किया जाना बाकी नहीं है। राज्य के पास जैसी संपदा है, जिस तरह के प्राकृतिक स्थल हैं, उनकी वजह से वहां विकास की अनंत संभावनाएं हैं। पर्यटन की दिशा में अब भी बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है। केरल से कम सुंदर नहीं है छत्तीसगढ़। उस प्राकृतिक सौंदर्य के सैलानी नजरिये से दोहन की काफी गुंजाइश है। उम्मीद की जानी चाहिए कि राज्य इस दिशा में जरूर आगे बढ़ेगा।

प्रौद्यौगिकी से समृद्ध भारत आज सिर्फ अनुयायी नहीं, बल्कि दूसरों को पीछे चलने के लिए कर रहा प्रेरित

डॉ. जितेंद्र सिंह

भारत आज वैश्विक वैज्ञानिक पुनर्जागरण के द्वार पर खड़ा है। तकनीक से समृद्ध भारत आज केवल अनुयायी नहीं है, बल्कि दूसरों को भी उसका अनुसरण करने के लिए प्रेरित कर रहा है। पिछले एक दशक में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, देश ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति देखी है। डिजिटल सशक्तिकरण से लेकर अंतरिक्ष अन्वेषण तक, आत्मनिर्भर और तकनीक-प्रधान भारत की रूपरेखा अब स्पष्ट दिख रही है। डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया की सफलताओं से लेकर स्वच्छ भारत और वन हेल्थ जैसे अभियानों तक, देश ने यह साबित किया है कि विज्ञान, तकनीक और नवाचार के माध्यम से बड़े पैमाने पर परिवर्तन लाया जा सकता है।

यूपीआई क्रांति ने डिजिटल भुगतान की परिभाषा ही बदल दी है और भारत को इस क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी बना दिया है।

भारत की जैव-अर्थव्यवस्था ने पिछले दस वर्षों में जबरदस्त प्रगति की है। 2014 में जहां इसका मूल्य 10 अरब डॉलर था, वहीं 2024 में यह बढ़कर लगभग 165.7 अरब डॉलर हो गया है। भारत अब बायोफ्यूल, बायोप्लास्टिक और ग्रीन केमिकल्स जैसे क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। चंद्रयान और गगनयान मिशनों ने भारत की पहचान अंतरिक्ष शक्ति संपन्न देशों में मजबूत की है, जबकि 5त्न नेटवर्क की शुरुआत और डिजिटल कूटनीति ने देश के दूर-दराज़ इलाकों तक कनेक्टिविटी और सशक्तिकरण पहुँचाया है। भारत अब फ्रसबके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बुद्धिमत्ता और नवाचार का लाभ हर क्षेत्र तक पहुंचे। चाहे वह कृषि हो, स्वास्थ्य सेवा हो या शासन व्यवस्था देश में 100 से अधिक यूनिकॉर्न कंपनियां और युवाओं द्वारा संचालित स्टार्टअप्स का मजबूत नेटवर्क भारत की वैज्ञानिक और उद्यमशीलता की भावना को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा रहा है। ग्रीन हाइड्रोजन, क्वांटम विज्ञान और तकनीक, सेमीकंडक्टर निर्माण और सटीक कृषि जैसे क्षेत्रों में भारत की प्रगति यह दिखाती है कि भारत अब केवल दुनिया के साथ कदम नहीं मिला रहा, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने में मदद कर रहा है। यह आत्मनिर्भर भारत की कहानी है। एक ऐसा आत्मविश्वासी और दूरदर्शी भारत, जो विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर, अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक, दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है।

ईएसटीआईसी : उपलब्धि से आकांक्षा तक इस प्रगति की पृष्ठभूमि में 3 से 5 नवंबर 2025 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में होने वाला इमर्जिंग साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन कॉन्क्लेव एक साहसिक नया कदम है। भारत सरकार के 13 मंत्रालयों की ओर से आयोजित यह सम्मेलन सिर्फ उपलब्धियों का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि यह सहयोग, दूरदृष्टि और राष्ट्रीय रणनीति का मंच है। माननीय प्रधानमंत्री के हाथों उद्घाटन किए जाने वाला ईएसटीआईसी 2025 देश-विदेश के प्रमुख वैज्ञानिकों, नवाचारकर्ताओं, नीति-निर्माताओं और विशेषज्ञों को एक साथ लाएगा ताकि वे नई उभरती तकनीकों के भविष्य पर विचार-विमर्श कर सकें।

यह सम्मेलन एक ऐसे मंच के रूप में कार्य करेगा जहां कमियों की पहचान, साझेदारियां स्थापित करना और विज्ञान व प्रौद्योगिकी को भारत की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप दिशा देना- इन सभी पर संयुक्त रूप से काम किया जाएगा।

यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय एकजुटता मंच है, जो शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग जगत और सरकार को एक साझा उद्देश्य से जोड़ता है: भारत को विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ाना। यानी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक एक पूर्ण विकसित और नवाचार-प्रधान राष्ट्र बनाना।

ईएसटीआईसी को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भर भारत के लिए महत्वपूर्ण 11 विषयों पर केंद्रित किया गया है। यह सम्मेलन एक ऐसा केंद्रीय मंच बनेगा जहां रणनीतिक संवाद, सहयोग और भारत की श्रेष्ठ उपलब्धियों को प्रस्तुत किया जाएगा। वर्तमान उपलब्धियों का जश्न मनाने के साथ-साथ, यह सम्मेलन नए विचारों पर मंथन, कमियों की पहचान, और नीति-निर्माण में सुधार का अवसर भी प्रदान करेगा, ताकि भारत की वैज्ञानिक प्रगति समाज की जरूरतों और वैश्विक अवसरों के साथ तालमेल में बनी रहे।

मूल रूप से, ईएसटीआईसी का उद्देश्य पूरे विज्ञान तकनीक पारिस्थितिकी तंत्र को जोड़ना है- उन मंत्रालयों को जो नीतियाँ बनाते हैं, उन वैज्ञानिकों को जो नवाचार करते हैं,उन उद्योगों को जो विचारों को विस्तार देते हैं, और उन स्टार्टअप्स को जो बदलाव लाते हैं। यह सम्मेलन अब तक की यात्रा का सम्मान करता है और आगे के उस मार्ग को भी दर्शाता है जो भारत को सतत, समावेशी और परिवर्तनकारी विकास की ओर ले जाता है।

ग्यारह विषय, एक लक्ष्य- ईएसटीआईसी 2025 को ग्यारह प्रमुख विषयों के इर्द-गिर्द तैयार किया गया है, जो मिलकर भारत की तकनीकी आकांक्षाओं और लक्ष्यों को दर्शाते हैं। इन विषयों में शामिल हैं- एडवांस्ड मटेरियल्स और मैन्युफैक्चरिंग- ऐसे मजबूत, हल्के और स्मार्ट पदार्थों का निर्माण जो रक्षा, अंतरिक्ष और उद्योग के क्षेत्र को नई शक्ति दें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता- जो जीवन को आसान बना रही है और शासन प्रणाली को अधिक स्मार्ट और समावेशी बना रही है। बायो-मैन्युफैक्चरिंग- जो टिकाऊ जैव-उत्पादों और सर्कुलर समाधानों के माध्यम से हरित अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रही है। ब्लू इकॉनमी- जो समुद्री संसाधनों का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग कर समृद्धि और लचीलापन बढ़ाने पर केंद्रित है। डिजिटल कम्युनिकेशन- 4 त्न से 5त्न और अब 6त्न की ओर बढ़ते हुए ग्रामीण भारत को सशक्त बना रहा है और वैश्विक डिजिटल कूटनीति में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर निर्माण- जो %मेक इन इंडिया% के विज़न को सिलिकॉन-आधारित वास्तविकता में बदल रहा है। उभरती कृषि तकनीकें- जो नवाचार, सटीकता और स्थिरता के माध्यम से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती हैं।ऊर्जा, पर्यावरण और जलवायु- जो नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रीन हाइड्रोजन को दुनिया के लिए उदाहरण बना रहे हैं।स्वास्थ्य और चिकित्सा तकनीकें- जो सस्ती और सुलभ नवाचारों के माध्यम से स्वास्थ्य समानता सुनिश्चित कर रही हैं। क्वांटम विज्ञान और तकनीक- जो सुरक्षित संचार, सेंसरिंग, कंप्यूटिंग और नए पदार्थों के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है।अंतरिक्ष तकनीक- जो नई पीढ़ियों को प्रेरित कर रही है और भारत के वैज्ञानिक क्षितिज को और विस्तृत बना रही है। ये सभी विषय मिलकर भारत के समग्र नवाचार मानचित्र को दर्शाते हैं- एक ऐसा ढांचा जहां गहन विज्ञान, उद्यमिता और नीति निर्माण एक साथ मिलकर देश के विकास को नई दिशा देते हैं।

विकसित भारत 2047 की ओर- कई मायनों में, ईएसटीआईसी भारत के बढ़ते आत्मविश्वास का प्रतीक है। एक ऐसा आत्मविश्वास जो ज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर ले जा रहा है। यह एक राष्ट्रीय मिशन है, जिसका उद्देश्य है-कल्पनाशक्ति को जगाना, युवाओं को प्रेरित करना, और भविष्य के लिए नवाचार को बढ़ावा देना।

कैसे मनाएं गुरुनानक देव का प्रकाशोत्सव

गुरु नानक का प्रकाशोत्सव, पर्व यूं तो पवित्र भावनाओं के साथ मनाया जाने वाला उत्सव है। प्रकाशोत्सव के दिन किस तरह से परंपराओं का निर्वाह किया जाए, कैसे इस उत्सव को मनाया जाए। आइए जानते हैं.

प्रभात बेला में क्या करें

- गुरु नानकदेवजी के प्रकाशोत्सव पर सर्वप्रथम प्रातःकाल स्नानादि करके पांच वाणी का 'नित नेम' करें।
- स्वच्छ वस्त्र पहनकर गुरुद्वारा साहिब जाएं और मत्था टेकें।
- गुरु स्वरूप सात संगत के दर्शन करें।
- गुरुवाणी, कीर्तन सुनें।
- गुरुओं के इतिहास का श्रवण करें।
- सच्चे दिल से अरदास सुनें।
- संगत व गुरुघर की सेवा करें।
- गुरु के लंगर में जाकर सेवा करें।
- अपनी सच्ची कमाई में से 10वां हिस्सा धार्मिक कार्य व गरीबों की सेवा के लिए दें।

तीन बातों का पालन अवश्य करें

गुरु नानक ने सच्चे सिख के लिए यानी अपने शिष्यों से तीन मुख्य बातों का पालन करने के लिए कहा है।

- ईश्वर का नाम जपें
- सच्ची कीरत (कमाई) करें।
- गरीब मार नहीं करें। (दान करें)

रात्रि में क्या करें

गुरु नानकदेवजी का जन्म रात्रि लगभग 1 बजकर 40 मिनट पर हुआ था। अतः इसके लिए रात्रि जागरण किया जाता है। इसके लिए निम्न कार्य करें

- रात को पुनः दीवान सजता है अतः वहां कीर्तन, सत्संग आदि करें।
- जन्म के बाद सामूहिक अरदास में शामिल हों।
- कड़ा-प्रसाद लें व एक-दूसरे को बधाई दें।
- गुरु महाराज के प्रकाश (जन्म) के समय फूलों की बरखा एवं आतिशबाजी करें।

दस सिद्धांत

गुरूनानक देव जी ने अपने अनुयायियों को जीवन के दस सिद्धांत दिए थे। यह सिद्धांत आज भी प्रासंगिक है।

- ईश्वर एक है।
- सदैव एक ही ईश्वर की उपासना करो।
- जगत का कर्ता सब जगह और सब प्राणी मात्र में मौजूद है।
- सर्वशक्तिमान ईश्वर की भक्ति करने वालों को किसी का भय नहीं रहता।
- ईमानदारी से मेहनत करके उदरपूर्ति करना चाहिए।
- बुरा कार्य करने के बारे में न सोचें और न किसी को सताएँ।
- सदा प्रसन्न रहना चाहिए। ईश्वर से सदा अपने को क्षमाशीलता माँगना चाहिए।
- मेहनत और ईमानदारी से कमाई करके उसमें से जरूरतमंद को भी कुछ देना चाहिए।
- सभी स्त्री और पुरुष बराबर हैं।
- भोजन शरीर को जिंदा रखने के लिए जरूरी है पर लोभ-लालच व संग्रहवृत्ति बुरी है।

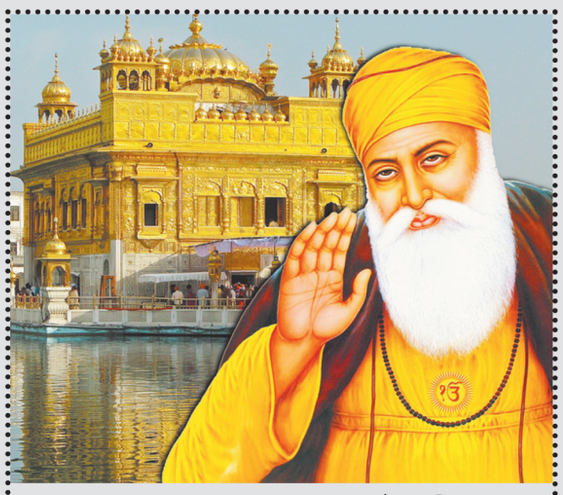

जब गुरुनानक ने दिया विचित्र आशीर्वाद

गुरु नानक एक बार एक गांव में गए। उस गांव के लोग नास्तिक विचारधारा के थे। वे भगवान, उपदेश और पूजा-पाठ में बिल्कुल भी विश्वास नहीं रखते थे। वे साधुओं को ढोंगी की संज्ञा देते। उन्होंने नानक के प्रति कटु वचन कहे और उनका तिरस्कार भी किया, तथापि नानक देव शांत ही रहे। दूसरे दिन जब वे वहां से रवाना होने लगे तो लोग उनके पास आए और उन्होंने कहा, 'जाने से पहले आशीर्वाद तो देते जाएं।'

नानकदेव मुस्करा दिए और बोले, 'आबाद रहो।'

वे जब समीपस्थ ग्राम में पहुंचे, तो वहां के लोगों ने उनका उचित सत्कार किया तथा रहने-खाने का भी उचित प्रबंध किया।

नानकजी ने उनके समक्ष प्रवचन किया। प्रवचन समाप्ति के उपरांत श्रद्धालु लोगों ने उनसे आशीर्वाद देने का आग्रह किया, तो नानकदेव बोले, 'उजड़ जाओ।' शिष्यों ने ये विचित्र आशीर्वाद सुने तो उनकी कुछ समझ में न आया। उनमें से एक से न रहा गया और वह पूछ ही बैठा, 'देव, आपने तो बड़े ही विचित्र आशीर्वाद दिए हैं। आदर करने वालों को तो उजड़ जाने का आशीर्वाद दिया है, जबकि तिरस्कार करने वालों को आबाद रहने का। मेरी समझ में तो कुछ भी नहीं आया। कृपया स्पष्ट करें।' तब नानकदेव हंसते हुए बोले, 'सज्जन लोग उजड़ेंगे तो वे जहां भी जाएंगे, अपनी सज्जनता के कारण उत्तम वातावरण बना लेंगे, किंतु दुर्जन यदि अपना स्थान छोड़ें तो वे जहां जाएंगे, वहीं का वातावरण दूषित बनाएंगे, इसलिए उन्हें आबाद रहने का आशीर्वाद दिया।' नानक देव के वचन सुनकर शिष्य ने उनका चरण स्पर्श किया और कहा, 'गुरु देव आप जो भी करते और सोचते हैं उनसे पीछे ज्ञान छिपा होता है जिसे हम तुच्छ प्राणी समझ नहीं सकते हैं।

गुरु नानक देव अलौकिक अवतार पुरुष

देशभर में सिखों के पहले गुरु नानकदेव जी की जयंती प्रकाश पर्व के रूप में मनाई जाती है। प्रकाश पर्व यानी मन की बुराइयों को दूर कर उसे सत्य, ईमानदारी और सेवा भाव से प्रकाशित करना। सिखों के प्रथम गुरू गुरुनानक देव जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में विशाल नगर कीर्तन निकाला जाता है। इस दौरान पांच प्यारें नगर कीर्तन की अगुवाई करते हैं।

भारत की पावन भूमि पर कई संत-महात्मा अवतरित हुए हैं, जिन्होंने धर्म से विमुख सामान्य मनुष्य में अध्यात्म की चेतना जागृत कर उसका नाता ईश्वरीय मार्ग से जोड़ा है। ऐसे ही एक अलौकिक अवतार गुरु नानकदेव जी हैं। कहा जाता है कि गुरु नानकदेवजी का आगमन ऐसे युग में हुआ जो इस देश के इतिहास के सबसे अंधेरे युगों में था। उनका जन्म 1469 में लाहौर से 30 मील दूर दक्षिण-पश्चिम में तलवंडी रायभोय नामक स्थान पर हुआ जो अब पाकिस्तान में है। बाद में गुरुजी के सम्मान में इस स्थान का नाम ननकाना साहिब रखा गया। श्री गुरु नानकदेव संत, कवि और समाज सुधारक थे। धर्म काफी समय से थोथी रस्मों और रीति-रिवाजों का नाम बनकर रह गया था। उत्तरी भारत के लिए यह कुशासन और अफरा-तफरी का समय था। सामाजिक जीवन में भारी भ्रष्टाचार था और धार्मिक क्षेत्र में द्वेष और कशमकश का दौर था। न केवल हिन्दुओं और मुसलमानों के बीच में ही, बल्कि दोनों बड़े धर्मों के भिन्न-भिन्न संप्रदायों के बीच भी।

इन कारणों से भिन्न-भिन्न संप्रदायों में और भी कट्टरता और बैर-विरोध की भावना पैदा हो चुकी थी। उस वक्त समाज की हालत बहुत बदतर थी। ब्राह्मणवाद ने अपना एकाधिकार बना रखा था। उसका परिणाम यह था कि गैर-ब्राह्मण को वेद शास्त्राध्यापन से हतोत्साहित किया जाता था। निम्न जाति के लोगों को इन्हें पढ़ना बिलकुल वर्जित था। इस ऊँच-नीच का गुरु नानकदेव पर बहुत असर पड़ा। वे कहते हैं कि ईश्वर की निगाह में सब समान हैं। ऊंच-नीच का विरोध करते हुए गुरु नानकदेव अपनी मुखवाणी 'जपुजी साहिब' में कहते हैं कि 'नानक उत्तम-नीच न कोई' जिसका भावार्थ है कि ईश्वर की निगाह में छोटा-बड़ा कोई नहीं फिर भी अगर कोई व्यक्ति अपने आपको उस प्रभु की निगाह में छोटा समझे तो ईश्वर उस व्यक्ति के हर समय साथ है। यह तभी हो सकता है जब व्यक्ति ईश्वर के नाम द्वारा अपना अहंकार दूर कर लेता है। तब व्यक्ति ईश्वर की निगाह में सबसे बड़ा है और उसके समान कोई नहीं।

नानक देव की वाणी में - **नीचा अंदर नीच जात, नीची हूं अति नीच।**
नानक तिन के संगी साथ, वडियां सिऊ कियां रीस?

समाज में समानता का नारा देने के लिए उन्होंने कहा कि ईश्वर हमारा पिता है और हम सब उसके बच्चे हैं और पिता की निगाह में छोटा-बड़ा कोई नहीं होता। वही हमें पैदा करता है और हमारे पेट भरने के लिए खाना भेजता है।

नानक जंत उपाइके, संभालै सभनाह।
जिन करते करना कीआ, चिंताभिकरणी ताहर?

जब हम 'एक पिता एकस के हम वारिक' बन जाते हैं तो पिता की निगाह में जात-पात का सवाल ही नहीं पैदा होता।

गुरु नानक जात-पात का विरोध करते हैं। उन्होंने समाज को बताया कि मानव जाति तो एक ही है फिर यह जाति के कारण ऊंच-नीच क्यों? गुरु नानक देव ने कहा कि मनुष्य की जाति न पूछो, जब व्यक्ति ईश्वर की दरगाह में जाएगा तो वहां जाति नहीं पूछी जाएगी। सिर्फ आपके कर्म ही देखे जाएंगे। गुरु नानक देव ने पित्तर-पूजा, तंत्र-मंत्र और छुआ-छूत की भी आलोचना की। इस प्रकार हम देखते हैं कि गुरु नानक साहिब हिंदू और मुसलमानों में एक सेतु के समान हैं। हिंदू उन्हें गुरु एवं मुसलमान पीर के रूप में मानते हैं। उन्होंने हमेशा ऊंच-नीच और जाति-पाति का विरोध करने वाले नानक ने सबको समान समझकर 'गुरु का लंगर' शुरू किया, जो एक ही पंक्ति में बैठकर भोजन करने की प्रथा है।

प्रमुख गुरुद्वारा साहिब

गुरुद्वारा कंध साहिब - बटाला (गुरुदासपुर) गुरु नानक का यहाँ बीबी सुलक्षणा से 18 वर्ष की आयु में संवत 1544 की 24वीं जेठ को विवाह हुआ था। यहाँ गुरु नानक की विवाह वर्षगाँठ पर प्रतिवर्ष उत्सव का आयोजन होता है।

गुरुद्वारा हाट साहिब- सुल्तानपुर लोधी (कपूरथला) गुरुनानक ने बहनोई जैराम के माध्यम से सुल्तानपुर के नवाब के यहाँ शाही भंडार के देखरेख की नौकरी प्रारंभ की। वे यहाँ पर मोदी बना दिए गए। नवाब युवा नानक से काफी प्रभावित थे। यहीं से नानक को तेरा शब्द के माध्यम से अपनी मंजिल का आभास हुआ था।

गुरुद्वारा गुरु का बाग- सुल्तानपुर लोधी (कपूरथला) यह गुरु नानकदेवजी का घर था, जहाँ उनके दो बेटों बाबा श्रीचंद और बाबा लक्ष्मीदास का जन्म हुआ था।

गुरुद्वारा कोठी साहिब- सुल्तानपुर लोधी (कपूरथला) नवाब दौलतखान लोधी ने हिसाब-किताब में गड़बड़ी की आशंका में नानकदेवजी को जेल भिजवा दिया। लेकिन जब नवाब को अपनी गलती का पता चला तो उन्होंने नानकदेवजी को छोड़ कर माफी ही नहीं माँगी, बल्कि प्रधानमंत्री बनाने का प्रस्ताव भी रखा, लेकिन गुरु नानक ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया।

गुरुद्वारा बेर साहिब- सुल्तानपुर लोधी (कपूरथला) जब एक बार गुरु नानक अपने सखा मर्दाना के साथ वैन नदी के किनारे बैठे थे तो अचानक उन्होंने नदी में डुबकी लगा दी और तीन दिनों तक लापता हो गए, जहाँ पर कि उन्होंने ईश्वर से साक्षात्कार किया। सभी लोग उन्हें डूबा हुआ समझ रहे थे, लेकिन वे वापस लौटे तो उन्होंने कहा- एक ओंकार सतिनाम। गुरु नानक ने वहाँ एक बेर का बीज बोया, जो आज बहुत बड़ा वृक्ष बन चुका है।

गुरुद्वारा अचल साहिब- गुरुदासपुर अपनी यात्राओं के दौरान नानकदेव यहाँ रुके और नाथपंथी योगियों के प्रमुख योगी भागर नाथ के साथ उनका धार्मिक वाद-विवाद यहाँ पर हुआ। योगी सभी प्रकार से परास्त होने पर जादुई प्रदर्शन करने लगे। नानकदेवजी ने उन्हें ईश्वर तक प्रेम के माध्यम से ही पहुँचा जा सकता है, ऐसा बताया।

गुरुद्वारा डेरा बाबा नानक- गुरुदासपुर जीवनभर धार्मिक यात्राओं के माध्यम से बहुत से लोगों को सिख धर्म का अनुयायी बनाने के बाद नानकदेवजी रावी नदी के तट पर स्थित अपने फार्म पर अपना डेरा जमाया और 70 वर्ष की साधना के पश्चात सन? 1539 ई. में परम ज्योति में विलीन हुए।

कार्तिक पूर्णिमा पृथ्वी के इस भाग में उतरेगा देवलोक

कार्तिक पूर्णिमा पर देव दीपावली मनाए जाने का विधान है। भगवान शंकर ने देवताओं की प्रार्थना पर महाबलशाली दैत्य त्रिपुरासुर का वध किया था। उसी के उल्लास में यह पर्व देव दीपावली के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि देव दीपावली पर देवता नदी तटों पर आते हैं। इस तिथि से पहले कार्तिक के शुक्ल पक्ष की एकादशी यानि देवउठनी एकादशी पर भगवान विष्णु नींद से जागते हैं। ये भी माना जाता है कि दीपावली पर महालक्ष्मी अपने स्वामी भगवान विष्णु से पहले जाग जाती हैं, इसलिए दीपावली के 15 दिन बाद देवताओं की दीपावली मनाई जाती है। इसे ही आगे चलकर देव दीपावली ने नाम से जाना गया। उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में इस उत्सव की बहुत धूम रहती है। कहते हैं पृथ्वी के इस भाग में सारा देवलोक उतर आता है। यह त्यौहार काशी की संस्कृति एवं परम्परा का अहम हिस्सा है। वाराणसी में धूमधाम से देव दीपावली मनाई जाती है। इस मौके पर पूरी काशी नगरी को दीयों की जगमगाहट से रोशन कर दिया जाता है। काशी के सभी घाटों को दुल्हन की तरह सजाया भी जाता है। 84 घाटों पर दीयों की लडियां देखकर ऐसा लगता है मानो तारे आसमान छोड़कर धरती पर उतर आए हों। भव्य गंगा आरती को देखने के लिए दूर-दूर से लोग वाराणसी आते हैं। दशाश्वमेध घाट पर देव दीपावली के दिन पर्यटकों का जमावड़ा लगता है। घाटों पर मंत्रोच्चार होता है। हर घाट की फूलों और इलेक्ट्रॉनिक लाइटों से आकर्षक सजावट की जाती है। शंखनाद के बाद महाआरती शुरू होती है।

कार्तिक पूर्णिमा

स्नान से लेकर रात तक करें ये काम लक्ष्मी प्रसन्न होकर बरसाएंगी धन

कार्तिक पूर्णिमा का शास्त्रों में बहुत महत्व माना गया है। जो व्यक्ति इस दिन विधिपूर्वक पूजन करता है, उसके जीवन से सभी संतापों का अंत हो जाता है। जन्मकुंडली में जैसे भी दोष हों, उन्हें दूर करने के लिए ये दिन बहुत शुभ है। कार्तिक पूर्णिमा 4 नवंबर शनिवार को आ रही है। इस शुभ योग में शनि से संबंधित उपाय भी किए जा सकते हैं। इस दिन हरिद्वार में हरि की पौड़ी (हर की पौड़ी) और बनारस में गंगा घाट पर जाकर स्नान करने की महिमा है तथा गंगा माता का धूप, दीप, पुष्प, चन्दन, नैवेद्य आदि से पूजन करने का विधान है। जो लोग हरिद्वार नहीं जा सकते वह गंगा के किसी भी तटवर्ती क्षेत्र अथवा अपने घर में भी गंगा जल युक्त पानी में स्नान करके मंदिर में मां गंगा जी की प्रतिमा का विधिवत पूजन करके भी पुण्य लाभ पा सकते हैं। शास्त्रानुसार जो लोग घर में ही गंगा स्नान करना चाहते हैं वह पहले बाल्टी में गंगा जल डाले तथा बाद में उस बाल्टी को जल से भर कर स्नान करे तो वह सारा जल गंगा जल के समान होगा। अर्थात गंगा में जो भी वस्तु गिरती है वह गंगा के समान ही पवित्र मानी जाती है। इस विधि से स्नान करने वाले को धन-धान्य, मान-प्रतिष्ठा आदि सभी सुख मिलेंगे। पूजन के साथ ही ओम नमः शिवाय और नारायण्यै दशहरायै गंगाये नमः मंत्र का जाप करें तथा हवन यज्ञ करके आहूतियां डाले, धरती पर गंगा को लाने वाले भागीरथ और जहां से वह आई हैं उस हिमालय के नाम का स्मरण करते हुए उनका भी विधिवत पूजन करें। श्रीसूक्त और लक्ष्मी स्तोत्र का पाठ करके हवन करें, लक्ष्मी प्रसन्न होकर बरसाएंगी धन। शनि दोष से मुक्ति के लिए काले रंग की वस्तुओं का दान शाम 5 बजे के बाद निर्धन व्यक्ति को करें। सूर्यास्त के बाद तुलसी पर दीपदान करें और चार परिक्रमा करें। नमक न खाएं। रात को चंद्रमा को अर्घ्य दें।

संक्षिप्त समाचार

कथक नृत्य से दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध: भिलाई की सृष्टि ने छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के रजत महोत्सव में बिखेरी कला की छटा

भिलाई (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर दुर्ग में आयोजित राज्य स्तरीय रजत महोत्सव समारोह के दूसरे दिन, भिलाई हुडको निवासी सृष्टि बिस्वास ने अपनी कथक नृत्य प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी भावपूर्ण और लयबद्ध प्रस्तुति ने समारोह में उपस्थित सभी लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा और खूब सराहना बटोरी। सृष्टि बिस्वास ने अपनी कला के प्रदर्शन से एक बार फिर साबित कर दिया कि वह नृत्य जगत की एक उभरती हुई प्रतिभा हैं। सुशांत बिस्वास और सुनीता बिस्वास की पुत्री सृष्टि इससे पहले भी कई प्रतिष्ठित महोत्सवों और नृत्य प्रतियोगिताओं में अपनी कला का प्रदर्शन कर चुकी हैं। उनकी प्रस्तुतियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी काफी सराहना मिल चुकी है।

कई अलंकरणों से सम्मानित- सृष्टि बिस्वास को कला के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए कई महत्वपूर्ण सम्मानों से नवाजा जा चुका है, जिनमें कला रत्न अलकरण, नृत्य इलामयिल, प्रणवम प्रतिभा अवार्ड और नवोदित प्रतिभा सम्मान शामिल हैं। राज्य स्थापना दिवस के इस विशेष अवसर पर सृष्टि का यह प्रदर्शन दुर्ग-भिलाई क्षेत्र के लिए गौरव का विषय रहा।

राज्योत्सव 2025- दूसरी शाम रंग झरोखा की प्रस्तुति ने बांधा शमा,कठपुतली नृत्य ने खूब बटोरी तालियां

बलौदाबाजार (समय दर्शन)/ छत्तीसगढ़ रजत जयंती अंतर्गत जिला स्तरीय तीन दिवसीय राज्योत्सव का आयोजन जिला प्रशासन द्वारा पंडित चक्रपाणी शुक्ल शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल मैदान में किया जा रहा है। आयोजन के दूसरे दिन सांस्कृतिक संध्या में भिलाई के रंग सरोवर छत्तीसगढ़ की पुरातन व पारंपरिक शैलियों की झलकियां में भूपेन्द्र साहू एवं साथी कलाकारों द्वारा प्रस्तुत गीत, संगीत एवं नृत्य ने शमा बांधा। दर्शक अंतिम प्रस्तुति तक डटे रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बिलासपुर की किरण मोईतरा द्वारा कठपुतली कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई जिसमें बड़े एवं छोटे आकार के कठपुतलियों के द्वारा नशामुक्ति का सन्देश एवं सुआ नृत्य ने खूब तालियां बटोरी। इसके साथ ही झाँपी लोक सांस्कृतिक संस्था करमदा एवं सुर ओ चन्दम बलौदाबाजार के कलाकारों ने भी दिलकश प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर दीपक सोनी, डी एफ ओ गणवीर धम्मशील एवं सी ई ओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल ने स्वामित्व योजना अंतर्गत किसानों को स्वामित्व कार्ड, टीबी मुक्त एवं बाल विवाह मुक्त पंचायत को प्रशस्ति पत्र, हम होंगे कामयाब के तहत युवाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम के कलाकारों को सम्मानित भी किया गया।

एफएआई बोर्ड ने कोरोमंडल इंटरनेशनल के एस. शंकरसुब्रमण्यन को अध्यक्ष चुना

नई दिल्ली: भारतीय उर्वरक संघ (एफएआई) के निदेशक मंडल ने 31 अक्टूबर, 2025 को हुई बैठक में कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ श्री एस. शंकरसुब्रमण्यन को एफएआई का अध्यक्ष चुना। हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. सिबा प्रसाद मोहंती, जो पहले दो सह-अध्यक्षों में से एक थे, अब एफएआई के एकमात्र सह-अध्यक्ष होंगे। श्री शंकरसुब्रमण्यन, जो वर्तमान में एफएआई बोर्ड के सह-अध्यक्ष और एफएआई के दक्षिणी क्षेत्र के अध्यक्ष हैं, उर्वरक उद्योग, विशेष रूप से फॉस्फेटिक और पोटाशिक (पीएंडके) क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का विविध अनुभव रखते हैं। श्री शंकरसुब्रमण्यन ने कहा, एफएआई संसाधन दक्षता और संतुलित पोषण के माध्यम से नवाचार और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, साथ ही उर्वरक क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए नीति निर्माताओं के साथ मिलकर काम कर रहा है।

प्रकाश पर्व के शुभ अवसर पर सिख समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया

भाटापारा (समय दर्शन)। भाटापारा में प्रकाश पर्व के शुभ अवसर पर सिख समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। नगर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का वातावरण व्याप्त रहा। शोभायात्रा का नगरवासियों द्वारा श्रद्धापूर्वक स्वागत किया गया तथा गुरु नानक देव जी के चरणों में मत्था टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

गुरु नानक देव जी का जीवन संदेश सम्पूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके उपदेश —

जहाँ प्रेम है, वहीं परमात्मा है;

जहाँ सेवा है, वहीं सच्ची भक्ति है।

आज भी समाज में एकता, करुणा और सेवा भावना को जागृत करते हैं।

प्रकाश पर्व के इस पावन अवसर पर सभी से आह्वान किया गया कि वे गुरु नानक देव जी के उपदेशों को अपने जीवन में अपनाकर समाज में प्रेम, सद्भावना और सेवा की भावना को सशक्त करें।

इस अवसर पर पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्री अश्वनी शर्मा ने भी शोभायात्रा में सम्मिलित होकर श्रद्धा एवं भक्ति भाव से मत्था टेक आशीर्वाद प्राप्त किया तथा नगरवासियों को प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा ने कहा कि गुरु नानक देव जी का जीवन दर्शन मानवता के कल्याण का संदेश देता है। उनके उपदेश हमें प्रेम, समानता और सेवा का मार्ग दिखाते हैं। हमें उनके दिखाए हुए मार्ग पर चलकर समाज में एकता, भाईचारा और शांति का वातावरण बनाना चाहिए।

नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि गुरु नानक देव जी के उपदेश हमें सिखाते हैं कि जहाँ प्रेम है वहीं परमात्मा है, और जहाँ सेवा है वहीं सच्ची भक्ति है। हम सबको उनके दिखाए मार्ग पर चलकर समाज में प्रेम, शांति और भाईचारे का संदेश फैलाना चाहिए।

साथ में पूर्व जिलामहामंत्री राकेश तिवारी, महाबल बघेल, मंडल अध्यक्ष योगेश अनंत, महामंत्री उमाशंकर वर्मा, गोपाल देवांगन, युवामोर्चा अध्यक्ष आशीष टोडर, सभापति सतीश तलरेजा, दशरथ साहू, भुवन सिंह, पार्षदगण नंदु वैष्णव, सतीश साहू, राजेश साहू, लिकेश साहू, मनीष पंजवानी, राजा कमनानी, मनिन्दर सिंह गुम्बर, काके थदवानी, सलीम खान, आयेशा खान, नीरा साहू, मधु सोनी, तनुजा धृतलहरे, अंजनी जायसवाल एवं समस्त कार्यकर्ता गण मौजूद रहे।

श्रद्धा आस्था भक्ति श्रीराम नाम सप्ताह यज्ञ में पाँचवा दिन

बिर्रा //समय दर्शन //-- श्रध्दा आस्था भक्ति श्रीराम नाम सप्ताह यज्ञ के पांचवें दिन भक्ति के भावसागर में बिर्रा वासियों का भक्ति से सारोबार हो रहे है।यज्ञ समिति और ग्रामवासी के व्दारा आयोजित राजमहल के पास 155वे वर्षों से चल रहा अनवरत परंपरा का आज भी निर्वहन करते आ रहे हैं वहीं यज्ञ समिति के सकारात्मक पहल से राजमहल के पास भव्य पंडाल बनाया गया है वहीं विघुत झालर? लाईट से पंडाल आकर्षक का केंद्र बिन्दु बना हुआ है वहीं भक्त गण मे कौतूहल का विषय बना हुआ है जमींदार लालरेती रमण जनपद सदस्य रितेश रमणसिह सिंह राजकुमार राहुल बाबा चेतन सिंह शोमू बाबा प्रतीक प्रताप सिंह पं जितेन्द्र तिवारी ने मंत्रोच्चार के साथ श्रीराम लक्ष्मण सीता माता विराजमान करके हर रोज सीताराम राधेश्याम का कीर्तन मण्डली गायन वादन करते हुए चारो ओर परिक्रमा करते हैं और हर रोज कम से कम 15-16कीर्तन मण्डली का आगमन होता है वहीं सभी संकीर्तन करने वाले सभी कीर्तन मण्डली को यज्ञ समिति के व्दारा और ग्रामीण के तरफसे ,स भी को नगद पुरस्कार यज्ञ समिति के हाथो से सम्मानित किया जाता है। वहीं सुबह 7बजे और शाम 6.15बजे मादल की थाप और महाआरती से पूरा बिर्रा भक्ति आस्था के सागर में डूबा हुआ है वहीं श्रध्दा आस्था और भक्ति के सागर में बिर्रा वासियों पूरे सात दिनों तक भक्ति के सागर में डुबकी लगा रहे हैं यज्ञाचार्य।पं जितेन्द्र तिवारी सप्त विप्र सबंधू चित्र भानु पांडेय राघवेन्द्र पांडेय गुलाब तिवारी विजय तिवारी नरोत्तम पांडेय पुजेरी ज्योति रक्षक ताराचंद वैष्णव यज्ञ समिति अध्यक्ष मणीलाल कश्यप कुंजी देवांगन बिसाहू देवांगन जीवनचंद श्रवण कुमार कश्यप एकादशियां साहू रामनारायण थवाईत लखनलाल देवांगन लखनलाल निलाबंर सिंह प्रकाश देवांगन कुलकित साहू राजकमल कर्ष उमेश कश्यप क्रांति कश्यप पंचराम कश्यप लोकपाल देवांगन मनोज देवांगन ज्ञान चंद शशिभूषण कश्यप सुरेश कुमार रामकृष्ण देवांगन बुचेन देवांगन सम्मेयादव गोर्वधन देवांगन रमेश साहू के अलावा पंचायत प्रतिनिधि शामिल है।

राजहरा पुलिस द्वारा किया गया अवैध शराब बिक्री करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से कुल 100 पौवा देशी प्लेन शराब को किया गया जप्त

बालोद (समय दर्शन)। श्रीमान पुलिस महानिरीक्षक महोदय दुर्ग रेंज दुर्ग श्री राम गोपाल गर्ग के आदेश पर श्रीमान योगेश पटेल पुलिस अधीक्षक बालोद तथा श्रीमती मोनिका ठाकुर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला बालोद के निर्देशन में एवं डा0 चित्रा वर्मा नगर पुलिस अधीक्षक राजहरा के मार्गदर्शन में अवैध जुआ, सट्टा, शराब के विरूध्द चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना प्रभारी ? दल्लीराजहरा निरीक्षक संतोष कुमार भुआर्य के द्वारा राजहरा क्षेत्रांर्गत अवैध जुआ, सट्टा, शराब के विरूध्द लगातार कार्यवाही किया जा रहा है जिसके अंतर्गत दिनांक 01-11-2025 को जरिये मुखबीर से सूचना मिला कि नोमेश कुमार रामटेके पिता भोला रामटेके उम्र 29 वर्ष पता वार्ड क्रमांक 18 दंतेश्वरी मंदिर के पास राजहरा थाना राजहरा जिला बालोद (छ.ग.) द्वारा अपने घर में अधिक मात्रा मे शराब रखकर अवैध रूप से शराब बिक्री कर रहा है कि सूचना पर हमराह स्टाफ एवं गवाहन के मौके पर रेड कार्यवाही कर आरोपी नोमेश कुमार रामटेके के कब्जे से एक सफेद हरा रंग की कपडा की थैला जिसमें अंग्रेजी में ज्ञश्च ड्कस्ध्वड्ड लिखा हुआ मे भरे 54 नग पौवा देशी प्लेन शराब रोमियो कंपनी का व एक सफेद रंग की कपडे की थैला जिसमें हिन्दी में बुलबुल बैंगल्स एण्ड जनरल स्टोर्स लिखा हुआ जिसके अंदर 46 नग देशी प्लेन शराब शोले कंपनी का कुल 100 नग पौवा देशी प्लेन शराब , कुल जुमला शराब 18.000 बल्कलीटर कीमती 8000 रू. व शराब बिक्री रकम 100-100 रूपये का दो नोट जुमला रकम 200 रूपये कुल जुमला 8200 रूपये को जप्त किया गया । आरोपी के विरूद्ध अपराध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया ।

स्कुल के अन्दर घुस कर चोरी करने वाले आरोपी थाना डौण्डीलोहारा पुलिस के हत्थे चढे

बालोद (समय दर्शन)। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री योगेश पटेल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्रीमति मोनिका ठाकुर उप0 पुलिस अधीक्षक श्री राजेश बागडे के निर्देशन में थाना प्रभारी डौण्डीलोहारा निरीक्षक मुकेश सिंह एवं स्टाफ के द्वारा ग्राम भेडी के प्राथमिक स्कुल में चोरी के मामले में बारिकी से विवेचना कर आरोपियों को पकडा गया।

विवरण - प्रार्थी धमेन्द्र देशमुख सहायक शिक्षक प्राथमिक शाला ग्राम भेडी द्वारा दिनांक 03/11/2025 को थाना उपस्थित आकर जबानी रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 02/11/2025 के सुबह लगभग 06/30 बजे अज्ञात चोर के द्वारा प्राथमिक स्कुल ग्राम भेडी के ऑफिस एवं अध्यापन कमरे का ताला तोडकर कमरे अन्दर प्रवेश कर एक नग इण ?डेक ?शन, माईक सेट बॉक्स एवं स्मार्ट टीवी कीमती लगभग 19640 रूपये को चोरी कर ले गया है कि रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 144/2025 धारा 331(4), 305(ड्ड) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की विवेचना दौरान आरोपियों की पतासाजी कर घटना कारित करने वाले आरोपी (1) विजय कुमार ठाकुर पिता स्व. भागी राम ठाकुर उम्र 31 साल साकिन भेड़ी थाना डौण्डी लोहारा जिला बालोद(छ.ग.) (2) दुष्यंत कुमार उर्फ दिषु सुधाकर पिता ढालसिंह सुधाकर उम्र 25 साल ग्राम भेड़ी थाना डौण्डी लोहारा जिला बालोद(छ.ग.) हाल- आर्य नगर कोहका भिलाई थाना स्मृति नगर जिला दुर्ग (छ.ग.) को बारिकी से पुछताछ किया गया जो घटना दिनांक को अपराध करना स्वीकार किये। प्रकरण में आरोपियों को दिनांक 03.11.2025 के क्रमश 15.40, 15.50 बजे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड भर जेल भेजा गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक मुकेश सिंह, सहायक उपनिरीक्षक रूमन सोनवानी, प्र.आर. 652 दिगम्बर वर्मा, म0प्र.आर. 989 लिलेशॅवरी देवांगन, आरक्षक विनोद अजय, रवि देशलहरे, भीष्म पिस्दा का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

धरन इंफ्रा-ईपीसी लिमिटेड ने स्काइमैक्स इंफ्रापावर लिमिटेड के साथ 215 करोड़ रुपये का सप्लाई एग्रीमेंट किया

मुंबई : धरन इंफ्रा-ईपीसी लिमिटेड ने (क्क्स्श्व: 541161) घोषणा की है कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी धरन इंफ्रा सोलर प्रा. लि. ने हाल ही में स्काइमैक्स इंफ्रापावर लिमिटेड, उत्तर प्रदेश के साथ एक सप्लाई एग्रीमेंट साईन किया है। इस कोन्ट्राक्ट की वेल्यू लगभग 215 करोड़ रुपये है।

यह एग्रिमेन्ट मुख्य रूप से डिज़ाइन, इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट, सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग के कार्यों को शामिल करता है, जो 75 मेगावाट एली सोलर प्रोजेक्ट के लिए किए जाएंगे। यह प्रोजेक्ट महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में नौ साईट्स पर डेवलोप कीए जाएगे। जो वित्त वर्ष 2025-26 से 2026-27 के बीच में पूर्ण होने की उम्मीद जताई जा रही है। यह एक नोन-रिलेटेड पार्टी ट्रान्झेक्शन है, जिसे कंपनी ने अपने सामान्य व्यावसायिक कार्यों के तहत पूरा किया है।

इस एग्रिमेन्ट के अंतर्गत, धरन इंफ्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड प्रोजेक्ट के लिए प्लांट इक्विपमेंट, स्ट्रक्चर और संबंधित कार्यों के डिज़ाइन, सप्लाई और इंस्टॉलेशन का कार्य करेगी। यह प्रोजेक्ट 75 मेगावाट (एसी) / 95.10 मेगावाटपी (डीसी)का ग्रिड-इंटरएक्टिव, ग्राउंड-माउंटेड सौर फोटोवोल्टिक पावर प्रोजेक्ट होगा, जो महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के नौ स्थानों पर स्थापित की जाएगा।

यह स्काइमैक्स इंफ्रापावर लिमिटेड से प्राप्त कंपनी का दूसरा बड़ा कोन्ट्राक्ट है। 31 अगस्त 2025 को, कंपनी ने स्काइमैक्स इंफ्रापावर लिमिटेड से 1171.21 करोड़ रुपये के ईपीसी कोन्ट्राक्ट हासिल किए थे, जो आंध्र प्रदेश के ओरवकल इंडस्ट्रियल पार्क में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और रिन्युएबल एनर्जी से जुड़े ईपीसी कार्यों के लिए थे। इन प्रोजेक्ट का निष्पादन 31 मार्च 2027 तक निर्धारित है, जिसमें लगभग 80 प्रतिशत कार्य अंतरराष्ट्रीय प्लांट और मशीनरी की खरीद से जुड़ा हुआ है। यह उपलब्धि धरन इंफ्रा- ईपीसी लिमिटेड के एक्झिक्युशन ट्रेक रिकॉर्ड को मजबूत करती है, ऑर्डर बुक की विझिबलिटी बढ़ाती है और ग्रीन एनर्जी सेक्टर में इसकी स्थिति को और सुदृढ़ बनाती है। अगस्त 2025 में, कंपनी ने धरन इंफ्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड नाम की एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी की स्थापना की, जिसका मुख्यालय नासिक, महाराष्ट्र में है।

आज बिलासपुर में चीखों से कांप उठा ट्रैक मेमू ट्रेन ने मालगाड़ी को मारी टक्कर

छह लोगों की मौत.... राहत दल जुटा बचाव में

बिलासपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर रेलवे डिवीजन में मंगलवार सुबह ऐसा दर्दनाक हादसा हुआ जिसने पूरे इलाके को दहशत में डाल दिया। कोरबा से बिलासपुर आ रही मेमू ट्रेन ने लाल खदान स्टेशन के पास खड़ी मालगाड़ी को तेज रफ्तार में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मेमू का इंजन और पहला डिब्बा मालगाड़ी के डिब्बों के ऊपर चढ़ गया।

हादसे के बाद मचा हाहाकार : ट्रेन के डिब्बों में फंसे यात्रियों की चीख-पुकार से पूरा इलाका गूंज उठा। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई, कई लोग डिब्बों में बुरी तरह फंसे रह गए। हादसे के बाद रेलवे ट्रैक पर खून और टूटे लोहे के टुकड़े बिखरे पड़े थे, जिससे दृश्य बेहद भयावह हो गया।

घायल सिम्स और अपोलो अस्पताल भेजे गए : रेलवे और जिला प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं। एनडीआरएफ और रेलवे के बचाव दल ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। घायलों को सिम्स मेडिकल कॉलेज और अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है। अब तक कई यात्रियों के घायल होने की पुष्टि हुई है और मौतों की आशंका भी जताई जा रही है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसा सिग्नल फेल्योर या कम्युनिकेशन गड़बड़ी से जुड़ा हो सकता है। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने उच्चस्तरीय जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। मौके पर डीआरएम और पुलिस अधीक्षक भी पहुंच चुके हैं।

सवालों के घेरे में रेल प्रशासन

यह हादसा एक बार फिर रेल प्रशासन की लापरवाही को उजागर करता है। यात्रियों का कहना है कि रेलवे सुरक्षा से ज्यादा लदान और राजस्व बढ़ाने

पर ध्यान देता है, जबकि सुरक्षा उपकरणों की मॉनिटरिंग में भारी चूक सामने आ रही है। सवाल यह भी है कि जब स्टेशन पर मालगाड़ी खड़ी थी, तो मेमू ट्रेन को क्लियर सिग्नल कैसे मिला?

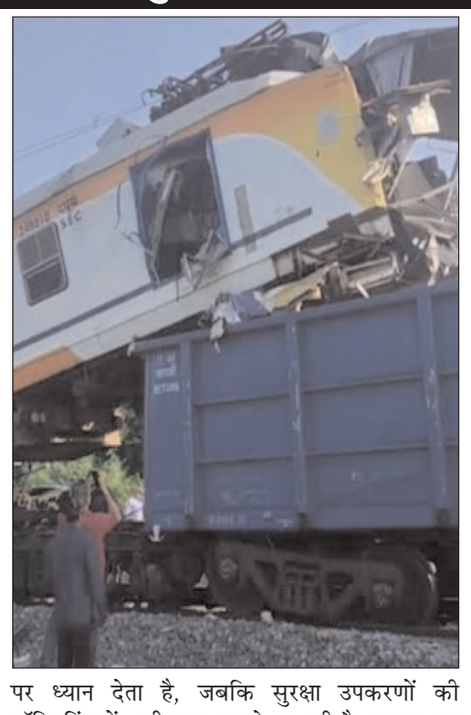

जनप्रतिनिधियों ने जताया रोष : स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने हादसे पर गहरी चिंता व्यक्त की है और कहा कि रेलवे सुरक्षा के नाम पर करोड़ों खर्च करने के बावजूद ऐसी दुर्घटनाएं यात्रियों की जान से खिलवाड़ हैं।

विधायक ने मांग की है कि जिम्मेदार अधिकारियों पर तत्काल कार्रवाई की जाए और पीड़ितों को मुआवजा व बेहतर इलाज दिया जाए।

छह लोगों की मौत की जानकारी : जानकारी के अनुसार इस हादसे में छह यात्रियों की मौत हो चुकी है यद्यपि आधिकारिक रूप से पुष्ट नहीं की गई है। इसके पहले बताया जा रहा था कि दो।लोग हादसे में शिकार हुए हैं खबर लिखने तक यह जानकारी मिल रही है कि मरने वालों की संख्या छह हो गई है और गंभीर लोग गंभीर रूप से जख्मी लोगों का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

बढ़ सकती है मौत की संख्या : गाउन जीरो से मिली जानकारी के अनुसार रेल हादसा बहुत बड़ा है।तेजी से बचाव कार्य चल रहा है। कयास लगा जा रहा है कि अभी भी बोगियों में बहुत से यात्री फंसे हुए हैं। इसलिए मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है।

खबर-खास

गुरुकुल में गुरु नानक जयंती पर विशेष सभा आयोजित

कवर्धा (समय दर्शन)। नगर की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान गुरुकुल पब्लिक स्कूल कवर्धा ने सदा ही अपने सामाजिक सरोकारों को प्रमुखता दी है। इसी को ध्यान में रखते हुए कार्तिक पूर्णिमा को अवतरित सिक्ख धर्म के प्रवर्तक गुरु नानक देव जी महाराज की जयंती पर विशेष सभा का आयोजन किया गया, जिसमें संगीत विभाग के विद्यार्थियों ने शानदार संगीतमय शबद कीर्तन पाठ किया। संगीत की मधुर धारा ने विद्यालय परिसर को आप्लावित कर सभी श्रोताओं एवं दर्शकों को मंत्र मुक्त कर दिया। 10वीं-11वीं की छात्राओं ने गुरु नानक देव जी महाराज की जीवनी पर प्रकाश डाला। उनके लोक कल्याणकारी सेवा भाव को रेखांकित किया। इस आयोजन पर संस्था के अध्यक्ष, समस्त पदाधिकारी गण एवं प्रभारी प्राचार्य ने हर्ष व्यक्त किया और सभी को गुरु नानक देव जयंती की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रदान कीं। ज्ञात हो कि विद्यालय में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विविध कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं। प्रात: कालीन प्रार्थना सभा में विशेष सभा का आयोजन भी किया जाता है। विभिन्न महापुरुषों की जयंती भी मनाई जाती है। जिससे विद्यार्थीगण उनसे प्रेरित हो सकें।

जंगली बिल्ली के खाल के साथ 2 आरोपी को किया गया गिरफ्तार

गरियाबंद (समय दर्शन)। पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को गांजा, हीरा, वन्य जीव की अवैध परिवहन एवं बिक्री पर रोक लगाने के कड़े निर्देश दिये गये थे।जिसके परिपालन में समस्त थाना प्रभारियों के द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रांतर्गत मुखबीर एवं थाना पेट्रोलिंग को सक्रिय किया गया था। इसी क्रम में थाना पाण्डुका को मुखबीर सूचना मिला कि ग्राम टोईयामुडा मोड एनएच 130 सी,मेन रोड के पास दो व्यक्ति थैले में जंगली जानवर का खाल रखकर बिक्री हेतु ग्राहक की तलाश करते मोड के पास बने चबूतरा में बैठे है। कि सूचना पर थाना प्रभारी द्वारा अपनी टीम तैयार कर मुखबीर द्वारा बताये स्थान ग्राम टोईयामुडा मोड एनएच 130 सी, मेन रोड के पास पहूंचकर घेराबंदी कर रेड कार्यवाही किये दो व्यक्ति मोड के पास बने चबूतरा में संदिग्ध अवस्था में दोनों बैठे थे और दोनों के बीच में एक पुरानी इस्तेमाली रंगीन चटकदार कपडेनुमा थैला रखे थे जिसका नाम पता पूछने पर अपना नाम राकेश सौरा पिता पीलाराम सौरा उम्र 35 साल और राकेश कुमार सौरा पिता अमिताभ सौरा उम्र 22 वर्ष निवासी लखौली थाना आरंग जिला रायपुर (छ.ग.) संदेहियों की तलाशी कराने लेने के दौरान उनके कब्जे से एक पुरानी इस्तेमाली रंगीन चटकदार कपडेनुमा थैला था। जिसके अंदर एक वन्य प्राणी का खाल जैसा मिला। पुलिस टीम द्वारा संदेहियों से वन्य प्राणी का खाल कब्जे में रखने एवं खरीदी बिक्री करने के संबंध में पुछे जाने पर कोई वैध दस्तावेज नहीं होना बताया गया। दोनो आरोपियों के कब्जे से जंगली बिल्ली के खाल को जप्त कर आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही करते हुए,अपराध धारा 9, 2, 39,44,51,52 वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 का पाये जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने नकली दवाओं के निर्माण में लगाई रोक

गरियाबंद (समय दर्शन)। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम द्वारा नकली दवाओं की रोकथाम के लिए निरंतर निरीक्षण एवं सघन अभियान चलाया जा रहा हैं। इसी कड़ी में औषधि बेस्टो कॉफड्राई कॉफफार्मूला जिसमे बैच नंबर,निर्माण तिथि एवं एक्सपायरी तिथि वर्णित नहीं था।जिसका नमूना संकलन औषधि निरीक्षक द्वारा किया गया। इसके जांच के लिए औषधि परिक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया था।जिसे जाँच उपरांत अवमानक घोषित किया गया। इस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए औषधि के लेबल में लिखित निर्माता फर्म से पत्रचार किया गया।जिसमें पता चला कि इस औषधि के लेबल में वर्णित निर्माता फर्म के द्वारा इसे विनिर्मित नहीं किया गया है एवं यह औषधि नकली औषधि है। जिस पर विवेचना करते हुए आज कुलेश्वर मेडिकल एंड जनरल स्टोर्स के संचालक सीताराम साहू को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 के प्रावधानों के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया।

कायस्थ समाज ने विविध आयोजनों के साथ मनाई दीवाली

कवर्धा (समय दर्शन)। कायस्थ समाज कवर्धा ने दीपावली के अवसर पर बच्चों को रचनात्मक कार्यो से जोड़कर मोबाइल से दूर रखने में अभूतपूर्व सफलता अर्जित की है। इस अवसर पर समाज ने बच्चों, महिलाएं एवं समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए विविध आयोजनों के साथ दीवाली की खुशियां मनाई।

भगवान चित्रगुप्त महाराज एवं श्री गणेश मंदिर प्रांगण में समाज के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता शेखर बख्शी एवं राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक आदित्य श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में बच्चों एवं युवाओं के लिए रंगोली, चित्रकला, मेंहदी एवं नृत्यकला, कुर्सी दौड़ की प्रतियोगिताएं हुई, जिसमें 110 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी अध्यक्ष नगर पालिका परिषद कवर्धा एवं विशिष्ट अतिथिगण के रूप में दीपक सिन्हा, श्रीमती किरण सोनी, अजय ठाकुर पार्षदगण रहे। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ हस्ताक्षर पुरषोत्तम लाल श्रीवास्तव को अपने सफलतम 92 वर्ष के लिए सम्मानित भी किया। वहीं सभी विधाओं के प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए अतिथियों एवं समाज के सभी सदस्यों ने भरपूर आनंद लिया।

रंगोली में प्रथम सौम्या श्रीवास्तव, द्वितीय अदिति श्रीवास्तव तृतीय वैशाली श्रीवास्तव रहीं एवं चित्रकला में प्रथम स्थान पर वान्या श्रीवास्तव एवं शुभम् श्रीवास्तव तथा द्वितीय शाम्भवी श्रीवास्तव, तृतीय कृष्णा श्रीवास्तव एवं सीनियर ग्रुप से डॉ. सौम्या वर्मा को पुरस्कृत किया गया। इसी तरह मेंहदी में प्रथम मानसी श्रीवास्तव, द्वितीय श्रेया बख्शी तृतीय सृष्टि श्रीवास्तव एवं नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम आस्था श्रीवास्तव, द्वितीय सानवी श्रीवास्तव तृतीय स्थान पर अवनी श्रीवास्तव रही। इसी तरह कुर्सी दौड़ के प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम के मुख्यअतिथि श्री चंद्रवंशी ने कहा कि आज बुद्धिवादी समाज के कार्यक्रम में उपस्थित होकर मैं अपने को सौभाग्यशाली समझ रहा हूँ। कायस्थ समाज ने हमेशा ही राष्ट्र का मार्गदर्शन किया है। राष्ट्रवाद की भावना से ओतप्रोत आपका समाज देश को स्वामी विवेकानंद, सुभाषचंद्र बोस, जयप्रकाश नारायण, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, जैसे महान व्यक्तियों ने समाज को नई दिशा एवं राष्ट्रनिर्माण में अहम भूमिका निभाई है। वहीं समाज के अध्यक्ष शेखर बख्शी ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन से बच्चों में युवाओं को रचनात्मक कार्यों से जोड़ना है। आज प्रत्येक पालक मोबाइल के दुरूपयोग से चिंतित है ऐसे में इस उत्कृष्ट कार्यक्रम के लिए शुभकामनायें दी। कार्यक्रम के आयोजन के लिए समाज ने कार्यकम प्रभारी भी बनाए। जिन्होने सौपें गये कार्यों का सफल निर्वहन किया। श्रीमती सुनीता श्रीवास्तव अध्यक्ष महिला समाज, जागेन्द्र श्रीवास्तव, वैभव श्रीवास्तव, सचिन श्रीवास्तव, सौरभ श्रीवास्तव, शुभम् श्रीवास्तव रहे। वहीं समाज के सदस्यों का कार्य भी उल्लेखनीय रहा। निर्णायक गणों के रूप में नम्रता श्रीवास्तव, रजनी श्रीवास्तव, नविता श्रीवास्तव, सीमा वर्मा, रूबी श्रीवास्तव, आकांक्षा श्रीवास्तव, प्रियंका श्रीवास्तव, डिम्पल श्रीवास्तव, कीर्ति वर्मा, निर्मला श्रीवास्तव, लक्ष्मी श्रीवास्तव की सहभागिता रही। कार्यक्रम में पूरें छत्तीसगढ़ में प्रसिद्धि प्राप्त अनूप श्रीवास्तव ने अपनी मिमिकी से चार चांद लगा दिया, संजय श्रीवास्तव ने अतिथियों और कार्यक्रम प्रभारियों एवं निर्णायकों के सक्रिय योगदान के लिए आभार व्यक्त किया ।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से नगर पंचायत पांडातराई में 52 विकास कार्यों के लिए 2 करोड़ 80 लाख की सौगात

कवर्धा (समय दर्शन)। जनता की मूलभूत सुविधाओं एवं क्षेत्र के विकास हेतु निरंतर सक्रिय पंडरिया विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से लगातार विधानसभा की जनता को विकास कार्यों की सौगात मिल रही है। इन विकास कार्यों से जनता को लाभ मिल रहा है वहीं उन्हें सुगम आवागमन, प्रकाश व्यवस्था व मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो रही है। नगर पंचायत पांडातराई में विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से कुल 52 अधोसंरचना निर्माण एवं विकास कार्यों के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा 2 करोड़ 79 लाख 76 हजार रुपए की सौगात नगर वासियों को मिली है। इसके तहत नगर में मूलभूत सुविधाओं, सीसी रोड निर्माण, नाली निर्माण, स्ट्रीट लाइट, हाई मास्ट लाइट, मुक्तिधाम, मूर्ति स्थापना,टॉप निर्माण,आहता निर्माण एवं अतिरिक्त कक्ष जैसे विभिन्न अधोसंरचना एवं विकास कार्यों का निर्माण होगा। इस सौगात के लिए पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, नगरीय प्रशासन मंत्री एवं उप मुख्यमंत्री अरुण साव का आभार व्यक्त कर

नगरवासियों को बधाई दी।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि नगर पंचायत पांडातराई की जनता की सुविधा एवं उनकी मांगों को पूरा करने के लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं। नगरवासियों की सुविधा एवं नगर के विकास को गति देने के लिए आज 2 करोड़ 79 लाख 76 हजार रुपये की स्वीकृति मिली है। हाल ही में जनता की बहुप्रतीक्षित मांग को देखते हुए नगर में उप तहसील की स्थापना भी की गई जो डबल इंजन भाजपा सरकार की प्रतिबद्धता एवं विकास नीति को दर्शाती है। आज नगर पंचायत पांडातराई को मिली इस सौगात से नगर के विकास एवं जनता को सुविधाओं का लाभ मिलेगा। पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, सुगम सड़क, नाली निर्माण से पानी जाम की समस्या से निजात मिलेगा। इन विकास कार्यों से जनता को सुविधा मिलेगी वहीं नगर की आर्थिक प्रगति भी सुनिश्चित होगी।

उन्होंने आगे कहा कि जनता की सुविधाओं का विस्तार करना और अधोसंरचना निर्माण एवं विकास कार्यों को गति देने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। इसके पूर्व भी पांडातराई नगर में पेयजल की समुचित व्यवस्था, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, सड़कों के निर्माण और मरम्मत, पीएम आवास, बाईपास निर्माण और तहसील कार्यालय की स्थापना जैसे विकास कार्यों की सौगात नगर वासियों को मिली है। जनता को सुविधाओं और योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ मिले यही हमारा लक्ष्य है। निरंतर विकास कार्यों की स्वीकृति, उनके क्रियान्वयन एवं पारदर्शिता के साथ उच्च गुणवत्ता से हो रहें अधोसंरचना निर्माण कार्यों से आज पांडातराई नगर एवं पंडरिया विधानसभा की तस्वीर बदल रही है। नगरवासियों की मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करना, नगर को स्वच्छ,सुंदर और समृद्ध बनाना यही हमारा लक्ष्य है जिसके लिए हम अनवरत प्रयास कर रहें हैं।

लौहपुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल शक्कर कारखाना के मजदूर फिर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

कवर्धा (समय दर्शन)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना पंडरिया में श्रमिकों के साथ हो रहे अन्याय और कारखाना प्रबंधक पर तानाशाही रवैये का आरोप लगाते हुए फिर भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

संघ का आरोप है कि कारखाना प्रबंधक विगत आठ वर्षों से लगातार कार्यरत श्रमिकों को नौकरी से निकालने की धमकी दे रहा है। इस विषय पर पूर्व में कलेक्टर के समक्ष समझौता भी हो चुका है, किंतु कारखाना प्रबंधक द्वारा कलेक्टर के आदेशों की खुलेआम अवहेलना की जा रही है। भारतीय मजदूर संघ ने इस संबंध में कई बार कारखाना प्रबंधन को पत्र भेजे हैं - 1. पत्र क्र. 16 दिनांक 04.09.2025, 2. स्मरण पत्र क्र. 18 दिनांक 16.10.2025, 3. पत्र क्र. 20 दिनांक 24.10.2025, श्रमिकों की समस्याओं के निराकरण हेतु प्रबंधन को बार-बार अवगत कराने के बावजूद कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। इसके विरोध में संघ ने 27 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक टूल-डाउन आंदोलन किया था। बावजूद इसके प्रबंधन की चुप्पी जारी रही। परिणामस्वरूप 1 नवंबर 2025 से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन प्रारंभ किया गया है।

संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि जब तक श्रमिकों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इस धरना में लगभग 300 श्रमिक भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले शामिल हैं। संघ ने प्रशासन को आगाह किया है कि यदि आंदोलन के दौरान कोई उत्पादनगत हानि या अन्य स्थिति उत्पन्न होती है, तो उसकी पूर्ण जिम्मेदारी कारखाना प्रबंधन एवं संबंधित प्रशासन की होगी।

श्रमिकों का कहना है कि वे अपने अधिकार और न्याय की मांग को लेकर अंत तक संघर्ष जारी रखेंगे। पंडरिया शक्कर कारखाना प्रबंधक के तानाशाही रवैये के खिलाफ भड़के श्रमिक, भारतीय मजदूर संघ का अनिश्चितकालीन धरना शुरू 8 वर्षों से सेवा दे रहे श्रमिकों को निकालने की धमकी के कारण प्रबंधन के विरोध में मजदूरों का धरना जारी है।

कलेक्टर बीएस उइके ने ली राष्ट्रीय एकता पदयात्रा के संबंध में पत्रकार वार्ता

राष्ट्रीय एकता पदयात्रा का आयोजन 7 नवम्बर को

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बीएस उइके ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में राष्ट्रीय एकता पदयात्रा के संबंध में पत्रकार वार्ता ली। उन्होंने पत्रकार वार्ता में बताया कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के 150 जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा।इस दौरान डिप्टी कलेक्टर नेहा भेंडिया,सहायक संचालक जनसम्पर्क हेमनाथ सिदार सहित प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधिगण बड़ी संख्या में

उपस्थित थे।कलेक्टर ने बताया कि राष्ट्रीय एकता पदयात्रा का उद्देश्य लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान को नमन करने के साथ उनकी एकता की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है।गरियाबंद जिले में एकता पदयात्रा का आयोजन शुक्रवार 7 नवम्बर को सुबह 9 बजे अटल चौक नागाबुड़ा से किया जाएगा और विभिन्न मार्गों से होते हुए गांधी मैदान गरियाबंद में सम्पन्न होगा। प्रत्येक स्थल पर देशभक्ति गीतों के साथ तिरंगा लेकर पदयात्रा निकाली जाएगी। इस दौरान सरदार वल्लभ भाई पटेल के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया जाएगा और देश के प्रति उनके योगदानों को याद किया जाएगा।युवाओं में राष्ट्रीय एकता,अनुशासन और सेवा भावना के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि यह पदयात्रा नागाबुड़ा के अटल चौक से होकर नहरगांव, कोकड़ी से होते हुए जिला मुख्यालय स्थित गांधी मैदान में सम्पन्न होगी। इसमें स्कूल,कॉलेज के छात्र-छात्राएं,जनप्रतिनिधि, अधिकारी कर्मचारी, गणमान्य नागरिक, एनएसएस, एनसीसी,माय भारत वॉलिंटियर भाग सहित आम नागरिक शामिल होंगे। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के 150 जयंती के अवसर पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी पदयात्रा के पूर्व स्कूलकॉलेजों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। पदयात्रा के दौरान फ्टिनेस शिविर, नुक्कड़ नाटक, और नशा मुक्ति के लिए युवा शपथ कार्यक्रम भी होंगे।कार्यक्रम के दौरान एकता पदयात्रा के प्रतिभागियों हेतु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा,जिसमें सामान्य स्वास्थ्य जांच,रक्तचाप परीक्षण,डायबिटीज टेस्ट और टीकाकरण जैसी सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके अतिरिक्त, पदयात्रा मार्ग में स्थित सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा, ताकि एकता के साथ स्वच्छ भारत का संदेश दिया जा सके।

पत्रकार सुरक्षा विधेयक में संसोधन के लिए प्रदेश एवं अन्य राज्यों पत्रकारों एक होकर हुंकार भरी

राष्ट्रीय अधिवेशन में पत्रकारिता संरक्षण एवं सुरक्षा कानून विधेयक में संसोधन संगोष्टी सम्पन्न

गरियाबंद (समय दर्शन)। पत्रकारिता संरक्षण एवं छत्तीसगढ़ में पत्रकार सुरक्षा विधेयक में संसोधन को लेकर 2 नवंबर को बिलासपुर में अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति छत्तीसगढ़ के तत्वाधान में सम्पन्न हुआ।छत्तीसगढ़ ही नहीं देश में पत्रकारिता को संरक्षण के साथ स्वतंत्र पत्रकारिता को लेकर संगोष्ठी में वरिष्ठ पत्रकार एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में शीतल पी सिंह (दिल्ली) सुनील सिंह बघेल (भोपाल),विश्वेश ठाकरे एवं मुख्य अतिथि के रूप में शंकर पांडेय विशिष्ट अतिथि के रूप दिलशाद खान (महाराष्ट्र)हर हर शंभू (उड़ीसा)जमील खान (मध्यप्रदेश)दिलीप यादव (बिलासपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष),सुनील सिंह (उत्तरप्रदेश),रईस

खान (राजस्थान),सदानद (गोवा),अजय प्रताप सिंह (अध्यक्ष उत्तर प्रदेश), मयूर दान गंड़वी (गुजरात अध्यक्ष डुड्डश्चह्यह्य)श्री सरोज जोशी (महाराष्ट्र),गोपाल सिंह (उत्तप्रदेश)अध्यक्षता जिग्नेश कालावाडिया (राष्ट्रीय अध्यक्ष)गुजरात,उपस्थित थे।

संगोष्ठी में दिल्ली से आये वरिष्ठ पत्रकार पी शीतल सिंह ने अपने उदबोधन में कहाँ की देश में तीन प्रदेश में ये विधेयक लागू हुआ हैं और जिसमे सभी प्रदेश में अलग अलग हुआ जिसमे सबसे अच्छा तो नहीं कह सकते लेकिन ठीक ठाक कहने में तमिलनाडु हैं उसके बाद दूसरे नंबर में महाराष्ट्र और सबसे कमजोर सुरक्षा कानून छत्तीसगढ़ का हैं जिसका संसोधन होना बहुत जरूरी हैं इसलिए छत्तीसगढ़ में पत्रकारों को काफ़ी दिक्कतो का सामना करना पड़ रहा हैं और उन्होंने बताया कि अगला सुरक्षा कानून विधेयक केरल में बनने जा रहा और उम्मीद हैं कि वहा का पत्रकार कानून का विधेयक सबसे अच्छा बनेगा।सुनील सिंह बघेल (भोपाल)एवं विश्ववेश ठाकरे जी (रायपुर) ने कहाँ इस समय देश में पत्रकारिता बहुत बुरे दौर से गुजर रही हैं जिसका संरक्षण हमें ही करना हैं हम सभी को एकता के साथ रहेंगे तो हमें किसी संरक्षण की जरूरत नहीं पड़ेगी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष जिग्नेश कालावाडिया ने बताया कि हमारा संगठन देश के कई राज्यों में कार्य कर रहा हैं और हमारे संगठन का एक मात्र उदेश्य हैं कि पुरे देश में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू हो बिलासपुर का अधिवेशन बता रहा हैं इतनी बड़ी तादात में पत्रकार एकत्रित हुए हैं कि सुरक्षा कानून विधेयक में संसोधन कि ज्यादा आवश्यकता हैं और सरकार को इसमें बदलाव करना चाहिए।

अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राकेश प्रताप सिंह परिहार, नितिन सिन्हा, दिलशाद खान,राष्ट्रीय महासचिव महफूज खान, रत्नाकर त्रिपाठी,राष्ट्रीय सचिव सुनील चौधरी ने भी सभा को सम्बोधित करते हुए पत्रकारिता को संरक्षण पर जोर दिया और कहा कि पत्रकार एकता के साथ एक दूसरे के लिए खडे रहे।

प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द शर्मा ने अपने उदबोधन में कहाँ कि छत्तीसगढ़ में जो सुरक्षा कानून विधेयक बना हैं उसमे पत्रकारों कि सुरक्षा कम सरकार ने अपनी और अधिकारियो कि सुरक्षा का ध्यान ज्यादा दिया हैं और उसकी सुधार कि ज्यादा आवश्यकता हैं जिसकी मांग अपने मंच के माध्यम से सरकार तक बात पहुंचा रहे हैं और यदि सरकार इसे गंभीरता से नहीं लेगी तो प्रदेश का पत्रकारों को आंदोलन भी करना आता हैं और सड़क में उतर कर आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेगी।अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति बिलासपुर में हुए इस राष्ट्रीय अधिवेशन में देश एवं प्रदेश के समस्त जिलों ब्लाको से

// न्यायालय तहसीलदार पाटन, जिला दुर्ग छ.ग.//

रा0प्र0 क्रमांक 202510100900075 अ/6 अ
वर्ष 2025-26

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम अटारी प.ह.नं. 35 तहसील पाटन जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाषित किया जाता है कि आवेदक देवेन्द्र कुमार पिता लक्ष्मण निवासी अटारी तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा ग्राम अटारी प.ह.नं. 35 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित एकल खाते कि भूमि खसरा नंबर 439 रकबा 0.84 है0 भूमि पर देवेन्द्र कुमार नाबालिक पिता लक्ष्मण पालक पिता लक्ष्मण का ऑनलाईन राजस्व अभिलेख में नाबालिक दर्ज होने से उसके स्थान पर बालिक दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: आवेदक आवेदक देवेन्द्र कुमार पिता लक्ष्मण निवासी अटारी तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा प्रस्तुत उपरोक्तानुसार अभिलेख दुरूस्त किये जाने की कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 13.11.2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 30.10.2025 को जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 | छत्तीसगढ़ राज्योत्सव

राज्य अलंकरण एवं 'रजत महोत्सव' समापन समारोह 2025

5 नवंबर 2025 | सायं 4 बजे
राज्योत्सव मैदान, नवा रायपुर अटल नगर

श्री विष्णु देव साय
मान. मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
मान. प्रधानमंत्री

मुख्य अतिथि

श्री सी.पी. राधाकृष्णान
मान. उपराष्ट्रपति

अध्यक्ष

श्री रमेन डेका
मान. राज्यपाल, छत्तीसगढ़

अतिविशिष्ट अतिथि

श्री विष्णु देव साय
मान. मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

विशिष्ट अतिथि

श्री तोखन साहू
मान. केन्द्रीय राज्यमंत्री

श्री अरूण साव
मान. उपमुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

डॉ. रमन सिंह
मान. अध्यक्ष, विधानसभा छत्तीसगढ़

श्री विजय शर्मा
मान. उपमुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री रामविचार नेताम
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री लखन लाल देवांगन
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री राजेश अग्रवाल
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री दयाल दास बघेल
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री श्याम बिहारी जायसवाल
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री टंकराम वर्मा
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री गुरू खुशवंत साहेब
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री केदार कश्यप
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री ओ.पी. चौधरी
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री गजेन्द्र यादव
मंत्री, छत्तीसगढ़

डॉ. चरणदास महंत
नेता प्रतिपक्ष, छत्तीसगढ़

श्री बृजमोहन अग्रवाल
सांसद, रायपुर

श्री मोती लाल साहू
विधायक

श्री राजेश मूणत
विधायक

श्री अनुज शर्मा
विधायक

श्री इंद्र कुमार साहू
विधायक

श्री पुरन्दर मिश्रा
विधायक

श्री सुनील सोनी
विधायक

एवं

समस्त सांसद, विधायक, निगम मंडल, आयोग, जिला पंचायत के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्यगण, महापौर रायपुर एवं सरपंच की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित है।

आप सादर आमंत्रित हैं।

सूर्यकिरण एयरोबेटिक शो
प्रातः 10:00 बजे | सेंध जलाशय, नवा रायपुर अटल नगर

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

लखपति दीदी सम्मेलन
दोपहर 02:00 बजे
स्टेट स्कूल ग्राउंड, राजनांदगांव

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in